RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 155 , शनिवार, 18 जुलाई 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

बिहार में पूरी रफ्तार से जारी है हिन्दी फीचर फिल्म 'द आउटकास्ट बड' की शूटिंग, दूसरे शेड्यूल ... 03

स्वदेशी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मॉडल विकसित करेगा बिहार 04

मैं वहीं हूं, जहां मुझे होना चाहिए अंजना सुखानी ने बॉलीवुड के... 07

संक्षिप्त समाचार

गमछा, गोली और बांकीपुर उपचुनाव !

- बीजेपी के लिए गंभीर खतरा बन गये हैं प्रशांत किशोर !

पटना (एजेंसी)। बांकीपुर उपचुनाव में बीजेपी का पहले कैंडीडेट बदला। उसके बाद तत्काल राजधानी पटना में बंटी यादव की हत्या का होना। बांकीपुर की गलियों में विकास का नहीं दिखना। ये सारे फैक्टर प्रशांत किशोर के लिए मददगार साबित होने लगे हैं। जी हां, ऐसा हम नहीं कह रहे हैं। सियासी जानकार ऐसा मानते हैं। बांकीपुर उपचुनाव में प्रशांत किशोर बीजेपी के लिए गंभीर खतरा बन चुके हैं। सरकार के कामकाज पर लगातार सवाल उठा रहे हैं। प्रशांत किशोर ने जब बंटी यादव के परिजनों से मुलाकात की, तब कहा कि जब सरकार का मुखिया ही जाति, गमछा और धर्म देखकर गोली मारने की बात करते हैं, तो अपराधियों को मन कैसे नहीं बढ़ेगा। पीके ने कहा कि हत्यारों के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो।

आप भोले के भक्त, छोटी बातों पर हुड़दंग ना करें

- यूपी के शामली में कांवड़ियों से सीएम योगी की अपील

शामली (एजेंसी)। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने कांवड़ियों से हुड़दंग न करने की अपील की है। शामली में सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांवड़िए भगवान राम के वंशज और भगवान शिव के भक्त हैं, इसलिए छोटी-छोटी बातों पर विवाद या हुड़दंग से बचें। यदि कोई असामाजिक तत्व यात्रा को बदनाम करने का प्रयास करे तो उसे तत्काल अलग कर दें। उन्होंने कहा कि यदि कहीं भी कोई

हंगामा या अनुशासनहीनता होती है, तो विपक्ष ऐसे दृश्यों पर ध्यान देगा और फिर अतीत की तरह कांवड़ यात्रा को बाधित करने के लिए किसी भी तरह से अन्य स्थानों से दबाव बनाने का प्रयास करेगा। सीएम योगी ने कहा कि जीवन में, धैर्य और अनुशासन हमारी सबसे बड़ी संपत्ति होने चाहिए, छोटी-मोटी बातों पर कोई हंगामा नहीं होना चाहिए। मर्यादा की सीमाओं को समझना होगा कहा कि सरकार कांवड़ियों की सुरक्षा, सुविधाओं और उनकी भक्ति को साकार करने में मदद के लिए हर संभव सहयोग दे रही है।

मानसून सत्र 20 जुलाई से सरकार 7 बिल लाएगी

- वंदे मातरम के अपमान और विदेशी चंदे पर सख्ती की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। 20 जुलाई से शुरू होने वाले संसद के मानसून सत्र के लिए सरकार ने एजेंडा तय कर लिया है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, लोकसभा में 7 बिल पेश किए जाएंगे। इनमें वंदे मातरम के अपमान और विदेशी चंदा कानून में संशोधन से जुड़े विधेयक भी शामिल हैं। बिलों की अस्थायी सूची में अभी किसी भी संविधान संशोधन बिल जैसे परिसीमन या नारी संशोधन का जिक्र नहीं है। 13 अगस्त तक चलने वाले मानसून सत्र में कांग्रेस समेत विपक्षी दल नीट पेपर लीक, अन्य

भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी, अयोध्या राम मंदिर दान विवाद, ई 20 ईंधन और विदेश नीति जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरने की तैयारी में हैं। यह सत्र 25 दिनों तक चलेगा, कुल 19 बैठकें होंगी। दिल्ली के कर्तव्य भवन में शुक्रवार को एनडीए नेताओं की बैठक हुई। इसमें केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, शिवराज सिंह चौहान और ललन सिंह समेत कई सीनियर लीडर शामिल हुए। सात में से दो विधेयक फॉरेन कंट्रीब्यूशन और विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान पुराने हैं। विदेशी चंदे से जुड़ा विधेयक 25 मार्च 2026 को और शिक्षा अधिष्ठान विधेयक 15 दिसंबर 2025 को पेश किया गया था।

सुंदरबन से अब झांक भी नहीं सकेंगे बांग्लादेशी

बीएसएफ ने बॉर्डर पर 90 किमी इलाके में बाड़बंदी की तैयारी की

कोलकाता (एजेंसी)। गृह मंत्रालय पश्चिम बंगाल में बांग्लादेश सीमा के साथ सुंदरबन के लगभग 90 किलोमीटर हिस्से में बाड़ लगाने की कवायद शुरू कर दी है। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) फेंसिंग के लिए टेक्निकल स्टडी कर रहा है। फिलहाल घने जंगल, मैनग्रूव और दलदली इलाके वाले सुंदरबन में फ्लोटिंग बॉर्डर आउटपोस्ट से निगरानी कर रही है। बीएसएफ के लिए बाड़बंदी मुश्किल टास्क है, क्योंकि भोगौलिक तौर से इस इलाके में किसी तरह का निर्माण आसान नहीं है। साथ ही, वाइल्ड लाइफ सेंक्चुरी होने के कारण 71 किमी के दायरे में काम नहीं किया जा सकता है।

- **12 फुट ऊंची फेंसिंग की जा रही है-** बीएसएफ के मुताबिक, सुरक्षा को बेहतर बनाने के लिए और सर्चलाइट, सर्विलांस कैमरे और समुद्री गश्त को बढ़ाया जाएगा। जिन इलाकों में बाड़बंदी पूरी हो गई है, उसमें सर्विलांस कैमरे लगाए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि 12 फुट ऊंची फेंसिंग ऐसी है, जिसे पार करना संभव नहीं है। बांग्लादेश से लगे इलाकों में कंट्रोल रूम की संख्या भी बढ़ाई जा रही है, ताकि घुसपैठियों पर नजर रखी जा सके।

174 किमी पर बाड़ लगाना संभव नहीं

बंगाल सरकार से जमीन मिलने के बाद सरहद पर जमीन की पैमाइश की है। शुभेंदु अधिकारी की सरकार 1000 एकड़ से ज्यादा जमीन बीएसएफ को सौंप चुकी है। दिनाजपुर, दार्जिलिंग, जलपाईगुड़ी, मुर्शिदाबाद, नॉर्थ 24 परगना, नादिया, कूच बिहार में 175 किमी बॉर्डर पर फेंसिंग का काम शुरू हो चुका है। भारत बांग्लादेश की सीमा 4096.7 किमी लंबी है। अभी तक सिर्फ 79 प्रतिशत बॉर्डर इलाके में बाड़बंदी हुई है। अभी तक 690 किमी तक बाड़ नहीं लगाया जा सका है, जिनमें से 600 किमी बांग्लादेश में है। छोटी नदियों और दलदल के कारण 174 किमी बॉर्डर पर बाड़ लगाना संभव नहीं है। सबसे ज्यादा चुनौती सुंदरबन इलाके में है, जहां ओपन बॉर्डर है।

जमीन अधिग्रहण पर मुआवजा देने की तैयारी

बीएसएफ के महानिदेशक प्रवीण कुमार ने 11-14 जुलाई को सुंदरबन का दौरा किया और बाड़बंदी के काम की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान सुंदरबन में फेंसिंग के तौर-तरीकों पर भी चर्चा की गई। इस दौरान सामने आया कि भोगौलिक चुनौतियों के अलावा स्थानीय लोग भी जमीं अधिग्रहण से डर रहे हैं। इलाके में चल रहे कई मध्यम-स्तर के होटलों और लॉज ने भी चिंता जताई है कि उन्हें जगह बदलने के लिए कहा जा सकता है। बीएसएफ अधिकारियों के अनुसार, स्थानीय लोगों को समझाया गया है कि बाड़ लगाना जरूरी है और यह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अहम है और सुरक्षा विभाग जल्द ही फेंसिंग शुरू करेगा। लोगों को भरोसा दिलाया गया है कि उन्हें मुआवजा और पुनर्वास की सुविधा दी जाएगी।

चंडीगढ़ में बनेगा नया एमबीबीएस कॉलेज

- पीएम ने 4700 करोड़ रुपए के प्रोजेक्टों का किया उद्घाटन

कहा-चंडीगढ़ के विकास से तीन राज्यों को फायदा होता है

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी हरियाणा के जींद में देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को हरी झंडी दिखाने के बाद चंडीगढ़ पहुंचे। यहां पीजीआई में उन्होंने 10 प्रोजेक्ट का शिलान्यास और उद्घाटन किया। यहां उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ के विकास से पड़ोसी राज्यों हरियाणा, पंजाब और हिमाचल का फायदा भी होता है। मैं चंडीगढ़ होता तो खुद भी पीजीआई जाता था। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ में नए एमबीबीएस कॉलेज को मंजूरी मिल चुकी है और जल्द ही वहां पढ़ाई शुरू होगी। मंच पर चंडीगढ़ से कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी भी मौजूद रहे। जिन प्रोजेक्टों का पीएम ने उद्घाटन और शिलान्यास किया, उनमें विरोधी दलों के सांसदों का भी नाम लिखा था। जिनमें चंडीगढ़ से मनीष तिवारी के अलावा श्री आनंदपुर साहिब से एएपी के सांसद मालविंदर कंग शामिल हैं। पीएम इसके बाद जालंधर पहुंचे जहां 75 रेलवे स्टेशनों का उद्घाटन किया।

चंडीगढ़ में नए एमबीबीएस कॉलेज को मिल गई मंजूरी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि देश में स्वास्थ्य सेवाएं अब हर नागरिक का अधिकार बनती जा रही हैं। पहले मेडिकल कॉलेज और एमबीबीएस सीटें कम होने के कारण युवाओं को डॉक्टर बनने का पर्याप्त मौका नहीं मिलता था, लेकिन अब सरकार ने मेडिकल शिक्षा का तेजी से विस्तार किया है। उन्होंने बताया कि चंडीगढ़ में नए एमबीबीएस कॉलेज को मंजूरी मिल चुकी है और जल्द ही वहां पढ़ाई शुरू होगी। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ शिक्षा और रिसर्च का बड़ा केंद्र है। भविष्य में यही संस्थान स्टार्टअप और नई तकनीक के हब बनेंगे। आज पंजाब पिछड़ रहा है।

परियोजनाएं लोगों का जीवन आसान बनाएंगी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि विकसित भारत बनाने के लिए देश को भविष्य की तकनीक, आधुनिक परिवहन और बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं पर लगातार काम करना होगा। उन्होंने कहा कि सरकार ऐसे फैसले ले रही है, जिनका फायदा सिर्फ आज की पीढ़ी को ही नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी मिलेगा। प्रधानमंत्री ने नई विकास परियोजनाओं के लिए चंडीगढ़, पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश के लोगों को बधाई दी और कहा कि ये परियोजनाएं क्षेत्र के विकास के साथ लोगों का जीवन भी आसान बनाएंगी।

जींद से रवाना हुई देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन

जींद (एजेंसी)। भारतीय रेलवे शुक्रवार को हरियाणा के जींद से देश की पहली हाइड्रोजन फ्यूल सेल ट्रेन का संचालन शुरू हो गई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस अत्याधुनिक ट्रेन को हरी झंडी दिखाया। यह परियोजना केवल एक नई रेल सेवा नहीं, बल्कि भारतीय रेलवे के ऊर्जा परिवर्तन की नई पहचान है, जहां डीजल आधारित परिवहन से आगे बढ़ते हुए स्वच्छ, टिकाऊ और भविष्य की ऊर्जा तकनीक को अपनाया जा रहा है। बता दें कि जर्मनी व्यावसायिक हाइड्रोजन यात्री ट्रेनों को शुरू करने वाला पहला देश बन चुका है, जबकि फ्रांस, इटली, चीन और जापान प्रायोगिक परियोजनाओं या सीमित परिचालन पर काम कर रहे हैं।

पारसनाथ की पहाड़ी का लाल आतंक अजय महतो गिरफ्तार

25 लाख के इनामी नक्सली की 100 से अधिक मामलों में थी तलाश

धनबाद (एजेंसी)। झारखंड पुलिस को नक्सल विरोधी अभियान में एक बड़ी सफलता मिली है। कुख्यात नक्सली और 25 लाख रुपये के इनामी अजय महतो उर्फ टाइगर को हरलाडीह से गिरफ्तार किया गया है। उस पर 100 से अधिक गंभीर मामले दर्ज हैं। अजय महतो प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) के बिहार-झार खंड स्पेशल एरिया कमेटी का सक्रिय सदस्य रहा है और लंबे समय से सुरक्षा एजेंसियों की मोस्ट वांटेड सूची में शामिल था। वो गिरिडीह जिले के पीरटांड़ प्रखंड के पांडेडीह गांव का रहने वाला है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, अजय महतो के खिलाफ हत्या, पुलिस पर हमला, विस्फोट, लेवी वसूली, आर्म्स एक्ट, यूएपीए समेत 100 से अधिक मामले दर्ज हैं।

- **देशद्रोह का मुकदमा चलाने की मिली थी मंजूरी-** बताया जाता है कि 2020 में राज्य सरकार ने अजय महतो समेत कई हार्डकोर नक्सलियों के खिलाफ देशद्रोह का मुकदमा चलाने की मंजूरी दी थी। लाल आतंक का चेहरा माने जाने वाले कुख्यात नक्सली और मिसिर बेसरा का सहयोगी अजय महतो उर्फ टाइगर धनबाद और गिरिडीह जिले बॉर्डर पर स्थित पीरटांड़ थाना क्षेत्र के नावाडीह गांव का रहने वाला है। यह गांव एरिया पारसनाथ पहाड़ के तराई क्षेत्र में स्थित है यही वजह है कि अजय महतो लंबे समय से पारसनाथ पहाड़ी क्षेत्र में नक्सल अभियान को लीड करता रहा वह पारसनाथ पहाड़ के छपे छपे से वाकिफ है। टाइगर ने गिरिडीह, बोकारो, धनबाद और हजारीबाग के सीमावर्ती इलाकों में कई बड़ी घटनाओं को अंजाम दिया है।

अमेरिका का भारत के निवेश वाले चाबहार पोर्ट पर अटैक

कंट्रोल टावर को निशाना बनाया, लगातार छठी रात ईरान पर एयरस्ट्राइक की

तेहरान/वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका ने शुक्रवार को लगातार छठी रात ईरान पर एयरस्ट्राइक की। इस दौरान भारत के निवेश वाले चाबहार पोर्ट को भी निशाना बनाया गया। हमले में पोर्ट के कंट्रोल (निगरानी) टावर को नुकसान पहुंचा है। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कंट्रोल टावर के क्षतिग्रस्त होने की तस्वीर भी शेयर की है। ईरानी समाचार एजेंसी मेहर ने चाबहार पोर्ट और कंट्रोल टावर पर अमेरिकी हमले की पुष्टि की है। पिछले एक हफ्ते में इस टावर पर यह तीसरा हमला है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने बताया कि फाइटर जेट, ड्रोन और युद्धपोतों से ईरान के कई सैन्य ठिकानों पर हमला किया गया। कमांड ने कहा कि हमलों में तटीय निगरानी केंद्र, एयर डिफेंस सिस्टम, सैन्य लॉजिस्टिक्स और समुद्री सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया।

सुपारी किलर ने केतन को मारने से कर दिया था मना

पुणे (एजेंसी)। पुणे की सिया गोयल और चेतन चौधरी ने केतन अग्रवाल की हत्या के लिए एक सुपारी किलर से भी कॉन्टेक्ट किया था। केतन अग्रवाल मर्डर केस की जांच में यह खुलासा हुआ है। केतन के बारे में जानने के बाद सुपारी किलर डर गया था। उसने सुपारी लेने से मना कर दिया था। सिया और चेतन ने इस शख्स को पुणे की एक होटल में बुलाया था। पुलिस ने उस होटल का सीसीटीवी फुटेज भी बरामद कर लिया है। अब इसी सुपारी किलर को पुलिस कोर्ट में गवाह के तौर पर पेश करेगी।

पुलिस से बचने के लिए देखे थे जापानी वीडियो- पुलिस के मुताबिक, जांच के दौरान एक और खुलासा हुआ है कि गिरफ्तारी की खतरा को देखते हुए सिया और चेतन ने करीब दो घंटे लंबे जापानी वीडियो देखे थे। इन वीडियो में पुलिस

पूछताछ के दौरान शांत रहने, हाव-भाव नियंत्रित रखने और सवालों के जवाब किस तरह देने हैं, इसकी जानकारी दी गई थी।

दोनों आरोपियों की वेब हिस्ट्री से इन वीडियो के लिंक भी बरामद कर लिए गए हैं। आरोप है कि 18 जून को सिया और चेतन ने केतन को पुणे के लोहगढ़ किले से 400 फीट गहरी खाई में धक्का दे दिया था। केतन की मौके पर ही मौत हो गई थी। फिलहाल सिया और चेतन 16 जुलाई तक येरवदा जेल में न्यायिक हिरासत में हैं।

पुरी रथयात्रा: तीनों रथ गुंडिचा मंदिर पहुंचे

- अब तीनों देवता 9 दिन मौसी के घर रहेंगे
- दूसरे दिन भी भीड़, नौ लाख श्रद्धालु जुटे

पुरी (एजेंसी)। ओडिशा के पुरी में भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा के रथ शुक्रवार दोपहर गुंडिचा मंदिर पहुंच गए। अब तीनों देवता 9 दिन अपनी मौसी के घर रहेंगे। इसके साथ ही रथयात्रा पूरी हुई। इसके पहले रथयात्रा शुक्रवार सुबह दूसरे दिन शुरू हुई। बह बारिश और उमस के बीच 9 लाख श्रद्धालु फिर से रथ खींचने के लिए ग्रैंड रोड पर जुटे। गुरुवार को पाहंडी अनुष्ठान में हुई देरी और अंधेरा होने के कारण तीनों रथ गुंडिचा मंदिर तक नहीं पहुंच सके थे। तीनों देवता रातभर अपने-अपने रथों पर ही विराजमान रहे। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन के मुख्य प्रशासक अरविंद पाधी ने बताया कि सभी अनुष्ठान समय पर हुए, लेकिन भगवान जगन्नाथ की प्रतिमा मुख्य द्वार पर करीब 40 मिनट तक आगे नहीं बढ़ सकी। इसी वजह से पाहंडी अनुष्ठान एक घंटे से अधिक देर से पूरा हुआ। उन्होंने बताया कि भगवान बलभद्र का तालध्वज रथ ग्रैंड रोड पर करीब 700 मीटर चलकर मार्केट चौक पर रुका। देवी सुभद्रा का दर्पदलन रथ लगभग 400 मीटर चलकर मरीचिकोट चौक तक पहुंचा। वहीं भगवान जगन्नाथ का नंदीघोष रथ कुछ ही दूरी तय कर मुख्य मंदिर के सिंहद्वार के पास रुक गया था।

धक्का-मुक्की से श्रद्धालुओं का दम घुटने लगा- पुरी में गुरुवार सुबह से बारिश हो रही थी। कई अनुष्ठान भी पानी के बीच हुए। शाम 5 बजे रथ आगे बढ़े। एक घंटा ही बीता था कि बारिश रुक गई। जो श्रद्धालु लॉज या होटल में रुके थे, वे भी इकट्ठा होने लगे। इसके चलते रथों के आसपास भीड़ बढ़ी और धक्का-मुक्की होने लगी। दरअसल, मौसम विभाग ने रथ यात्रा के दौरान भारी बारिश का अंदेशा जताया था। तमाम तैयारियों के बावजूद पुलिस-प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा।

- **बारिश के बावजूद नहीं टूटा श्रद्धालुओं का उत्साह-** बारिश और उमस के बावजूद लाखों श्रद्धालु जय जगन्नाथ और हरि बोल के जयघोष के बीच रथ खींचते रहे। ग्रैंड रोड पर झांझ, नगाड़ों, शंख और तुरहियों की गूंज के बीच श्रद्धालु नाचते-गाते नजर आए। बारिश का पानी जमा न हो, इसके लिए ग्रैंड रोड पर विशेष इंतजाम किए गए, ताकि रथयात्रा बिना रुकावट आगे बढ़ सके। पाहंडी के दौरान भगवान जगन्नाथ के पारंपरिक फूलों के मुकुट तहिया के नहीं दिखने पर अरविंद पाधी ने बताया कि बारिश से भीगकर यह भारी हो गया था। इसलिए उसे हटा दिया गया। उन्होंने यह भी कहा कि भगवान, बलभद्र और सुभद्रा शुक्रवार रात भी रथों पर ही रहेंगे। इसके बाद शनिवार को गुंडिचा मंदिर में प्रवेश की रस्म पूरी की जाएगी। धार्मिक मान्यता के अनुसार, गुंडिचा मंदिर को इन तीनों देवताओं का जन्मस्थान माना जाता है। गुरुवार को लगातार बारिश के बीच भगवान जगन्नाथ की विश्व प्रसिद्ध रथयात्रा हुई। सरकार ने रथयात्रा के दौरान हुई दो श्रद्धालुओं की मौत पर कहा कि दोनों मौतें भगदड़ या भीड़ प्रबंधन में किसी कमी की वजह से नहीं हुईं। एजेंसी के मुताबिक, रथयात्रा के दौरान तबीयत बिगड़ने पर 7 श्रद्धालुओं को अस्पताल पहुंचाया गया था। इनमें 60 साल के एक श्रद्धालु की मौत हुई, जिसकी वजह का अभी पता लगाया जा रहा है। वहीं, 35 वर्ष से ज्यादा उम्र के दूसरे श्रद्धालु की हार्ट अटैक से मौत हुई। राज्य सरकार के मुताबिक, रथयात्रा में करीब 10 लाख श्रद्धालु शामिल हुए। देर शाम तक महाप्रभु जगन्नाथ का रथ 200 मीटर, भगवान बलभद्र का रथ 500 मीटर पर रुक गया।

संक्षिप्त समाचार

महनार लूटकांड में केस डायरी नहीं भेजने पर कार्रवाई, वर्तमान अनुसंधानकर्ता का वेतन रोका

हाजीपुर। महनार लूटकांड की जांच में लापरवाही बरतने पर न्यायालय ने सख्त कार्रवाई की है। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एडीजे-12) ने वर्तमान अनुसंधानकर्ता का वेतन बंद करने का आदेश दिया है। यह कार्रवाई केस डायरी समय पर न्यायालय में प्रस्तुत न करने के कारण की गई है। यह मामला 18 नवंबर 2025 को महनार थाना क्षेत्र के चकेशो गांव में हुई हथियारबंद लूट की घटना से संबंधित है। रामनरेश सहनी के पुत्र रत्नेश कुमार अपनी पत्नी प्रीति कुमारी के साथ मोटरसाइकिल से ससुराल से घर लौट रहे थे। इसी दौरान तीन अज्ञात अपराधियों ने उनकी बाइक रोक ली। एक बदमाश ने रत्नेश कुमार की कनपटी पर पिस्तौल सटा दी। अन्य दो अपराधियों ने उनकी पत्नी के गले से मंगलसूत्र, कान की बाली और काला बैग छीन लिया। लूटे गए बैग में सोने की अंगूठी, चांदी का पायल, कपड़े और आवश्यक कागजात रखे हुए थे। अपराधियों ने पीड़ित का वीवो कंपनी का मोबाइल, उनकी पत्नी का रेडमी मोबाइल और पर्स में रखे 5 हजार रुपये नकद भी लूट लिए। इसके बाद बदमाश मौके से फरार हो गए। पीड़ित के आवेदन पर महनार थाना में कांड संख्या 442/25 दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया था। प्रारंभिक अनुसंधान की जिम्मेदारी उप-निरीक्षक उदय कुमार सिंह को सौंपी गई थी। मामले की सुनवाई के दौरान न्यायालय ने पाया कि वर्तमान अनुसंधानकर्ता द्वारा निर्धारित समय पर केस डायरी न्यायालय में उपलब्ध नहीं कराई गई। इससे न्यायिक प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न हुई। एडीजे-12 ने इस पर कड़ी नाराजगी जताते हुए वर्तमान अनुसंधानकर्ता का वेतन बंद करने का आदेश पारित किया।

35 कार्टन विदेशी शराब- बीयर जब्त

हाजीपुर। वैशाली के करताहा थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने भारी मात्रा में विदेशी शराब और बीयर बरामद की है। इस मामले में भगवान भटौली निवासी सोनू पासवान के खिलाफ बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। करताहा थानाध्यक्ष कुणाल कुमार आजाद ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि सोनू पासवान ने अजय सिंह से कठगेना स्थित खेत लीज पर लिया है। इस जगह पर एक झोपड़ी बनाकर अवैध शराब का कारोबार चलाया जा रहा था। सूचना की पुष्टि के बाद, वरीय अधिकारियों को सूचित कर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को देखकर आसपास के ग्रामीण भी जमा हो गए। झोपड़ी में ताला लगा होने के बावजूद, कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान,

झोपड़ी से 180 एमएल मैकडॉवेल्स अंग्रेजी शराब के दो कार्टन बरामद हुए, जिनमें कुल 91 बोतलें (16.38 लीटर) थीं। इसके अतिरिक्त, 375 एमएल मैकडॉवेल्स अंग्रेजी शराब के दो कार्टन से 48 बोतलें (26.625 लीटर) भी मिलीं। पुलिस ने मौके से 500 एमएल किंगफिशर स्ट्रॉन्ग प्रीमियम बीयर के 35 कार्टन और एक ट्रे में रखी 16 अतिरिक्त बोतलें भी जब्त कीं। कुल मिलाकर, 428 लीटर बीयर बरामद की गई। बरामद सभी शराब और बीयर की बोतलों पर बैच नंबर और निर्माण तिथि घिसी हुई पाई गई। साथ ही, उन पर "फॉर सेल इन अरुणाचल प्रदेश ऑनली" अंकित था, जिससे अवैध तस्करी की आशंका और गहरी हो गई है। पुलिस ने बरामद सभी शराब और बीयर को जब्त कर करताहा थाना लाया है। आरोपी सोनू पासवान के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है।

युवक की चाकू मारकर हत्या, आरोपी के घर पर हंगामा

हाजीपुर। वैशाली में 2 दिन पहले चाकू के हमले में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। इसके बाद आक्रोशित लोगों ने युवक का शव लेकर आरोपी के घर के बाहर हंगामा किया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को शांत कराया। यह घटना वैशाली के सदर थाना क्षेत्र के दिग्घी कला पूर्वी की है। मृतक की पहचान जितेंद्र दास के रूप में हुई है, वो टाइल्स का काम करता था। पुलिस के अनुसार, सदर थाना क्षेत्र स्थित दिग्घी रेलवे लाइन के पास दो पक्षों के बीच झगड़ा हो रहा था। जितेंद्र दास वहां खड़े होकर यह झगड़ा देख रहा था। इसी दौरान एक पक्ष के लोगों ने जितेंद्र को दूसरे पक्ष का समर्थक समझकर उस पर चाकू से कई वार किए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें गंभीर हालत में इलाज के लिए पटना रेफर किया गया था, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जितेंद्र का शव घर पहुंचने पर सैकड़ों लोग आक्रोशित हो गए और उसे लेकर आरोपी के घर पहुंच गए, जहां उन्होंने हंगामा किया। सदर एसडीपीओ भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और लोगों को समझा-बुझाकर शांत कराया। हालांकि, परिजनों ने घटना का अलग कारण बताया है। उनका आरोप है कि रेलवे लाइन के पास अक्सर नशेड़ियों का जमावड़ा रहता है। जितेंद्र काम से घर लौट रहा था, तभी आरोपी युवकों ने उससे हेरोइन खरीदने के लिए पैसे मांगे। जब जितेंद्र ने पैसे देने से इनकार किया, तो सभी आरोपियों ने उसे चाकू से गोद दिया। गंभीर रूप से घायल जितेंद्र की पीएमसीएच में मौत हो गई। सदर एसडीपीओ ने बताया कि इस मामले में नामजद प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। सभी आरोपियों की पहचान कर ली गई है और उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। हालांकि, सभी आरोपी अपने घरों से फरार हैं।

3 ट्रकों की टक्कर में बुजुर्ग की मौत, सड़क किया जाम

हाजीपुर। वैशाली के महुआ-हाजीपुर सड़क पर फुलवरिया गांव के पास शुक्रवार सुबह तीन ट्रकों की भीषण टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में फुलवरिया गांव निवासी 60 वर्षीय पोषण महतो की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों के अनुसार, यह घटना सुबह करीब सात बजे हुई। एक ट्रक चालक अपनी गाड़ी रोककर टायर की जांच कर रहा था, तभी पीछे से आ रहे एक हाईवा ने उसमें टक्कर मार दी। कुछ ही मिनटों बाद, पीछे से आ रहे एक तीसरे 12 चक्का ट्रक ने अपना संतुलन खो दिया। इसने पास में खड़े पोषण महतो को अपनी चपेट में ले लिया और फिर दूसरे ट्रक से टकरा गया। इसी हादसे में पोषण महतो की जान चली गई। पोषण महतो की मौत से आक्रोशित स्थानीय ग्रामीणों ने महुआ-हाजीपुर सड़क को जाम कर दिया। इससे वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ। सूचना मिलने पर महुआ थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस अधिकारियों ने आक्रोशित लोगों को समझा-बुझाकर स्थिति को शांत किया और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दिया। इस संबंध में महुआ थाना अध्यक्ष अरविंद कुमार ने बताया कि सबसे आगे खड़ा ट्रक खराब था। पीछे से एक हाईवा और एक अन्य ट्रक ने टक्कर मारी, जिसमें एक स्थानीय व्यक्ति की मौत हुई है। उन्होंने बताया कि घटनास्थल से एक हाईवा और एक ट्रक जब्त कर लिया गया है, और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

कंटेनर-बाइक की टक्कर, बच्चा सहित युवक घायल

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के मनियारी थाना क्षेत्र में शुक्रवार को एक सड़क दुर्घटना हुई। इसमें बाइक सवार एक युवक और एक बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना काजी इंडा चौक पर हुई। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को तत्काल एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मुजफ्फरपुर शहर की ओर से समस्तीपुर जा रहा एक कंटेनर काजी इंडा चौक के पास विपरीत दिशा से आ रही बाइक से टकरा गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार दोनों व्यक्ति सड़क पर दूर जा गिरे और गंभीर रूप से चोटिल हो गए। दुर्घटना के तुरंत बाद आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए। स्थानीय निवासियों और एक गाड़ी ड्राइवर की सहायता से घायलों को बिना किसी देरी के निजी अस्पताल पहुंचाया गया, ताकि उन्हें समय पर चिकित्सा सुविधा मिल सके। घायलों की पहचान मनियारी थाना क्षेत्र की चैनपुर वाजिद पंचायत के चैनपुर गांव के निवासी के रूप में हुई है। हालांकि, फिलहाल, डॉक्टरों ने उनकी स्वास्थ्य स्थिति के संबंध में कोई आधिकारिक जानकारी जारी नहीं की है। घटना की सूचना मिलने पर मनियारी थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस दुर्घटना के कारणों और कंटेनर चालक की भूमिका की पड़ताल कर रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि काजी इंडा चौक पर अक्सर तेज रफ्तार और अव्यवस्थित यातायात के कारण दुर्घटनाएं होती रहती हैं।

कमरे में लटकी मिली डिलिवरी बॉय की डेड बॉडी

एजेंसी, पटना

- बदबू आने पर मकान मालिक ने पुलिस को बुलाया, 4 दिन से रूम में ही थी लाश

पटना के गर्दनीबाग थाना क्षेत्र के अकलू चौक सरिस्ताबाद में योगेंद्र प्रसाद के मकान में फंदे से लटकी रेंटर की बॉडी मिली है। मृतक की पहचान मसौढ़ी के रहने वाले राहुल कुमार (22) के रूप में हुई है। पटना में पिछले 6 महीने से रेंट के मकान में रहकर डिलीवरी बॉय का काम करता था। राहुल ने इंटर तक पढ़ाई की थी। राहुल के बड़े भाई राकेश कुमार ने बताया, 13 जुलाई की रात राहुल ने मां से बात की थी। आज सुबह में जानकारी मिली थी राहुल ने फांसी लगा ली है। इस सूचना के आधार पर हम लोग यहां पहुंचे हैं। राहुल के साथ मेरे चचेरे भाई भी रहते थे।

उनके साथ कोई मतभेद नहीं है। घर पर खेती बाड़ी हो रही है। इस सिलसिले में चचेरे भाई गांव चले गए थे। किसी पर कोई आशंका नहीं है। समझ नहीं आ रहा है कि क्यों सुसाइड किया है। क्योंकि घर पर भी आर्थिक स्थिति ठीक है। 13 जुलाई के बाद से बातचीत नहीं हुई थी। उसने कभी किसी तरह की परेशानी भी नहीं बताई थी।

बदबू आने के बाद पुलिस को खबरः मकान मालिक योगेंद्र प्रसाद ने पुलिस को बताया कि बदबू आ रही थी, तो हम लोगों को पहले लगा कुत्ता मरा है। लेकिन राहुल के दरवाजे पर गए तो अंदर से बंद था। काफी आवाज देने के बाद भी दरवाजा नहीं खुला। उससे और अधिक बदबू आ रही थी। तब हम लोगों ने पुलिस को खबर की।

एफएसएल की टीम कर रही है जांचः गर्दनीबाग थानेदार प्रमोद कुमार ने बताया कि सुसाइड की सूचना मिली है। छानबीन की जा रही है। एफएसएल को बुलाया गया है। परिजनों ने किसी तरह की आशंका नहीं जाहिर की है। उनके आवेदन के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।

पटना सिटी में इंटर्न छात्र का मोबाइल लेकर भागे बदमाश

एजेंसी, पटना

- एक आरोपी पकड़ाया, भीड़ ने की जमकर पिटाई, गिरफ्तार कर पूछताछ कर रही पुलिस

पटना सिटी में शुक्रवार को एक मेडिकल इंटर्न छात्र से मोबाइल ठगी का मामला सामने आया। बदमाशों ने इमरजेंसी में फोन करने का बहाना बनाकर छात्र का मोबाइल लिया और लेकर भागने लगे। इस दौरान स्थानीय लोगों और मेडिकल छात्रों ने पीछा कर एक आरोपी को पकड़ लिया, जबकि उसके दो साथी फरार हो गए। गिरफ्तार आरोपी की भीड़ ने पिटाई कर दी, जिसके बाद सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने उसे अपने कब्जे में लेकर थाने पहुंचाया। फिलहाल उससे पूछताछ की जा रही है। मामला खाजेकलां थाना क्षेत्र स्थित गुरु गोविंद सिंह अस्पताल के पास का है।

इमरजेंसी में बात कराने का बनाया बहानाः जानकारी के मुताबिक, बिहटा निवासी करण राज गुरु गोविंद सिंह अस्पताल में इंटर्नशिप के लिए आए थे। उन्होंने बताया कि तीन युवक उनके पास पहुंचे और खुद को परेशानी में बताते हुए इमरजेंसी में किसी से बात कराने के लिए मोबाइल मांगा। करण राज ने जैसे ही अपना मोबाइल उन्हें दिया, उनमें से एक युवक मोबाइल लेकर भाग निकला। उसके साथ मौजूद दो अन्य युवक भी फरार होने लगे।

शोर सुनकर मेडिकल छात्र और आसपास मौजूद लोग सक्रिय हो गए। उन्होंने पीछा कर एक युवक को पकड़ लिया, जबकि दो अन्य आरोपी मौके से फरार होने में सफल रहे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गुस्साए लोगों ने पकड़े गए युवक की पिटाई कर दी। बाद में खाजेकलां थाना पुलिस मौके पर पहुंची और उसे भीड़ से छुड़ाकर थाने ले गई।

पटना पढ़ाई करने आया छात्र बना शराब तस्कर, ट्रेन से शुरू की सप्लाई

एजेंसी, पटना

पटना में पढ़ाई करने आया एक छात्र शराब तस्करी के आरोप में पुलिस के हत्थे चढ़ गया। कोतवाली थाना क्षेत्र के हनुमान मंदिर टीओपी के पास वाहन जांच के दौरान पुलिस ने युवक को शराब की खेप के साथ गिरफ्तार किया। आरोपी ने शराब की बोतलें शर्ट, अंडरवियर और मिठाई के डिब्बे में छिपा रखी थीं।

चेकिंग के दौरान युवक के पास से शराब बरामदः बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव को लेकर लागू आचार संहिता के मद्देनजर इलाके में सघन वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान पटना जंक्शन परिसर से निकली एक ओला कैब को रोककर तलाशी ली गई। जांच के दौरान युवक के पास से अलग-अलग जगहों पर छिपाकर रखी गई शराब बरामद होने पर पुलिस भी हैरान रह गई।

कटिहार का रहने वाला है आरोपीः प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी की पहचान कटिहार नगर थाना क्षेत्र निवासी सुधांशु झा के रूप में हुई है। वह पटना के बोरिंग रोड इलाके में किराये के मकान में रह रहा था। पुलिस के अनुसार, वह ए.एन. कॉलेज में बीकॉम में दाखिला लेने की तैयारी कर रहा था।

पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि वह इससे पहले भी तीन से चार बार ट्रेन के जरिए शराब की खेप पटना पहुंचा चुका है। इस बार भी वह उत्तर प्रदेश से ट्रेन के माध्यम से शराब लेकर आया था, जिसे नाला रोड इलाके में डिलीवर किया जाना था। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि आरोपी किस गिरोह के लिए काम करता था और इस तस्करी नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं।

विदेश में एमबीबीएस दाखिले के नाम पर 3.85 लाख ठगा, मुख्य आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

- पटना-गाजियाबाद पुलिस की संयुक्त कार्रवाई, 3 साथियों की तलाश जारी

पटना के बख्तियारपुर थाना और उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में एक अंतरराज्यीय ठगी गिरोह का पर्दाफाश हुआ है। पुलिस ने गाजियाबाद से इस गिरोह के मुख्य आरोपी विवेक भटनागर को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह आरोपी छात्रों और उनके परिजनों को विदेश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में दाखिला दिलाने का झांसा देकर लाखों रुपये की ठगी करता था।

कार्डिफ़ यूनिवर्सिटी में दाखिले का दिया झांसाः यह कार्रवाई बख्तियारपुर थाना क्षेत्र के रानीसराय निवासी रौशन कुमार की शिकायत पर दर्ज प्राथमिकी के आधार पर की गई। रौशन ने आरोप लगाया था कि उनकी पत्नी मेनका कुमारी को विदेश में पढ़ने भेजने के नाम पर उनसे 3 लाख 85 हजार रुपये ठग लिए गए। एसडीपीओ-2 आयुष श्रीवास्तव ने बताया, रौशन कुमार अपनी पत्नी को MBBS-MS की पढ़ाई के लिए ब्रिटेन के कार्डिफ़ विश्वविद्यालय में दाखिला दिलाना चाहते थे। इसी दौरान उनकी पहचान गाजियाबाद निवासी विवेक भटनागर से हुई। भटनागर ने रौशन को 'वेट इंटरप्राइजेज' नामक एक एजेंसी से मिलवाया, जिसमें तीन अन्य व्यक्ति भी शामिल थे। एजेंसी ने रौशन को बताया कि लगभग 9 लाख रुपये में लंदन में दाखिला, वीजा और पार्ट-टाइम नौकरी दिलवाई जाएगी। इसके लिए अग्रिम राशि के तौर पर रौशन ने 3 लाख 85 हजार रुपये का भुगतान किया था।

फर्जी एडमिशन लेटर देकर किया गुमराहः पुलिस के मुताबिक, एजेंसी के लोगों ने मेनका कुमारी का कथित इंटरव्यू भी लिया और उन्हें एक एडमिशन सर्टिफिकेट भी दिया। इसे देखकर रौशन को लगा कि उनकी पत्नी का दाखिला कार्डिफ़ विश्वविद्यालय में हो गया है। हालांकि, करीब तीन महीने बाद संदेह होने पर रौशन ने सीधे कार्डिफ़ विश्वविद्यालय को ईमेल भेजकर जानकारी मांगी। विश्वविद्यालय की ओर से जवाब मिला कि वहां इस तरह की कोई प्रवेश प्रक्रिया नहीं हुई है और मेनका कुमारी के नाम से कोई दाखिला दर्ज नहीं है।

चार आरोपियों पर केस, मुख्य आरोपी गिरफ्तारः इसके बाद रौशन कुमार ने बख्तियारपुर थाने में मामला दर्ज कराया। जांच के दौरान पुलिस ने विवेक भटनागर, अभिषेक वर्मा, रूपाली वर्मा और सूरज वर्मा को आरोपी बनाया गया। संयुक्त कार्रवाई में मुख्य आरोपी विवेक भटनागर को गाजियाबाद से गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस अन्य तीन आरोपियों की तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है। इसके साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि इस गिरोह ने देश के अन्य राज्यों में भी इसी तरह की ठगी की वारदातों को अंजाम दिया है या नहीं।

केले की आड़ में शराब तस्करी का भंडाफोड़ पिकअप से 10 लाख की विदेशी शराब बरामद

एजेंसी, पटना

- चालक गिरफ्तार तस्करी नेटवर्क की जांच जारी

पटना में पुलिस ने केले की आड़ में तस्करी कर लाई जा रही विदेशी शराब की बड़ी खेप बरामद की है। पुलिस ने बाढ़ अनुमंडल के मरांची थाना क्षेत्र में जियो पेट्रोल पंप के पास एक पिकअप गाड़ी को पकड़ा। जब गाड़ी की तलाशी ली गई तब करीब 1,692 बोतल विदेशी शराब (बीयर) जब्त की गई, जिसकी अनुमानित कीमत 10 लाख रुपये बताई जा रही है। कार्रवाई के दौरान ड्राइवर को भी गिरफ्तार कर लिया गया।

पश्चिम बंगाल नंबर की पिकअप से हुई बरामदगीः एसडीपीओ-2 आयुष श्रीवास्तव ने बताया कि वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिले में मद्यनिषेध अभियान लगातार चलाया जा रहा है। बीती रात मद्यनिषेध इकाई और राज्य स्वापक नियंत्रण बोर्ड से सूचना मिली थी कि मरांची थाना क्षेत्र के जियो पेट्रोल पंप के पास खड़ी एक सफेद पिकअप में शराब की खेप छिपाकर रखी गई है।

कच्चे केले के नीचे छिपाकर ले जा रहे थे खेपः सूचना मिलते ही पुलिस ने जियो पेट्रोल पंप के पास पिकअप गाड़ी को रोककर जांच की गई। पिकअप पर पश्चिम बंगाल का नंबर प्लेट लगा था। तलाशी के दौरान कच्चे केले की परत के नीचे 141 कार्टन में छिपाकर रखी गई बीयर बरामद हुई।

आसनसोल से समस्तीपुर जा रही थी खेपः इसके बाद आरोपी ड्राइवर को गिरफ्तार किया गया, जिसकी पहचान पश्चिम बंगाल के आसनसोल निवासी जसकरण जोशी के रूप में हुई है। पूछताछ में उसने बताया कि शराब की खेप आसनसोल से समस्तीपुर ले जाई जा रही थी।

तस्करी नेटवर्क की जांच में जुटी पुलिसः पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि शराब की खेप किसके लिए मंगाई गई थी और इसके पीछे कौन-सा तस्करी नेटवर्क सक्रिय है। मामले में गिरफ्तार चालक से पूछताछ की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है। यह कार्रवाई मद्यनिषेध इकाई से मिली गुप्त सूचना के आधार पर मरांची थानाध्यक्ष रौशन कुमार के नेतृत्व में की गई।

बगहा में बारिश, 4 जिलों में अलर्ट, पटना में उमस भरी गर्मी, 37 डिग्री पहुंचा पारा

एजेंसी, पटना

बगहा में शुक्रवार की दोपहर बारिश हुई। हालांकि, बिहार में अगले 2 दिनों तक मौसम सामान्य बना रहेगा। विभाग की माने तो आज रोहतास, औरंगाबाद, गया और नालंदा के कुछ हिस्सों में 50kmph की रफ्तार से हवा चल सकती है। गरज-चमक के साथ तेज बारिश की संभावना है। हालांकि बारिश का कोई अलर्ट नहीं है। पटना समेत कई जिलों में उमस भरी गर्मी रहेगी। शाम में ठंडी हवा चल सकती है। बीते 24 घंटे में बगहा, बेतिया, रक्सौल, सीतामढ़ी और नालंदा, औरंगाबाद और सुपौल में तेज बारिश हुई।

उधर, नेपाल में हो रही बारिश के बाद बिहार में बाढ़ का खतरा बढ़ने लगा है। कोसी, गंडक, बागमती समेत कई नदियां उफान पर हैं। कोसी बराज से आज सुबह 6 बजे 1 लाख 53 हजार 550 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। बगहा के सिसई और चिउरही पंचायत के करीब 300 घरों के लोग धनहा–रतवल मुख्य मार्ग किनारे तंबू में रहने को मजबूर हैं। मानसून की मुख्य ट्रफ लाइन बिहार के ऊपर लगातार नहीं बनी हुई है। इसके कारण राज्य में व्यापक और लगातार बारिश के लिए अनुकूल परिस्थितियां नहीं बन पा रही हैं। बंगाल की खाड़ी में फिलहाल ऐसा मजबूत लो-प्रेशर सिस्टम विकसित नहीं हुआ है, जो बिहार में व्यापक भारी बारिश करा सके। इसलिए केवल छिटपुट बारिश और गरज-चमक की स्थिति बन रही है।

मानसून अलर्टः पटना में जलजमाव रोकने के लिए विशेष तैयारी

एजेंसी, पटना

मानसून के दौरान पटना शहर और आसपास के क्षेत्रों में जलजमाव की समस्या से निपटने के लिए बिहार शहरी आधारभूत संरचना विकास निगम लिमिटेड (बुडको) ने विशेष निगरानी व्यवस्था लागू की है। जलनिकासी के लिए 7 अति संवेदनशील स्थायी ड्रेनेज पंपिंग स्टेशनों पर रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक इंजीनियरों की तैनाती की गई है। यह व्यवस्था 31 जुलाई तक लागू रहेगी। इसके तहत पहाड़ी, योगीपुर, सैदपुर, मंदिरी, राजापुर-गोसाईटोला, कुर्जी और ईको पार्क डीपीएस पर इंजीनियरों की रातभर विशेष ड्यूटी लगाई गई है।

जलजमाव की शिकायत पर तुरंत होगी कार्रवाईः बुडको के एमडी अनिमेष कुमार पराशर ने प्रतिनियुक्त इंजीनियरों को निर्देश दिया है कि वे अलर्ट मोड में रहें। किसी भी तकनीकी खराबी या जलजमाव की शिकायत पर अविलंब कार्रवाई करें। ये इंजीनियर अगले अधिकारी के पहुंचने तक पंपिंग स्टेशन पर मौजूद रहेंगे और पंपों के सुचारु संचालन के साथ बारिश होने पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। पहले से संप पर 3 शिफ्टों में ऑपरेटर की प्रतिनियुक्ति की गई है। सभी पंपिंग स्टेशनों में वाटर लेवल को मॉनिटर किया जा रहा है।

बुडको का एक कंट्रोल रूम तैयार किया गया है। इस कंट्रोल रूम में 24 घंटे मॉनिटरिंग के लिए तीन पालियों में कर्मी मौजूद हैं। सुबह 6 से दोपहर 2, दोपहर 2 से रात 10 और रात 10 से सुबह 6 बजे तक तीन पाली में कंट्रोल रूम संचालित हो रही है। हर पाली में एक पदाधिकारी/उप-परियोजना निदेशक और दो डाटा एंट्री ऑपरेटर तैनात किये गए हैं।

बिहारी का लाल बना देश का गौरव

एजेंसी, पटना

- कर्नाल इंटरनेशनल स्कूल के छात्र ने NEET में रचा इतिहास, EWS में ऑल इंडिया रैंक-8 और जनरल कैटेगरी में AIR-206 हासिल

करनालः कर्नाल इंटरनेशनल स्कूल के मेधावी छात्र Rithvik राज ने NEET में अपने पहले ही प्रयास में 685 अंक प्राप्त कर EWS श्रेणी में ऑल इंडिया रैंक-8 तथा जनरल कैटेगरी में AIR-206 हासिल कर विद्यालय, परिवार और पूरे बिहार का नाम रोशन किया। मूल रूप से बिहार के निवासी Rithvik Raj ने आठवीं कक्षा से ही मेडिकल प्रवेश परीक्षा की तैयारी शुरू कर दी थी। चार वर्षों की कड़ी मेहनत, अनुशासन और परिवार के सहयोग ने उन्हें इस ऐतिहासिक सफलता तक पहुँचाया।

परीक्षा से कुछ दिन पहले दादा के निधन के बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। पहली परीक्षा में लगभग 680 अंक प्राप्त किए। परीक्षा दोबारा होने पर उन्होंने और अधिक मेहनत की तथा 685 अंक हासिल कर देशभर में शानदार रैंक प्राप्त की। श्रेतिक के पिता दिल्ली में एसी मैकेनिक हैं, जबकि माता गृहिणी हैं। सीमित आर्थिक संसाधनों के बावजूद परिवार ने उनकी शिक्षा में कोई कमी नहीं आने दी। अब उनका लक्ष्य एम्स, नई दिल्ली में प्रवेश लेकर एक सफल डॉक्टर बनना और समाज की सेवा करना है।

इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर कर्नाल इंटरनेशनल स्कूल के चेयरमैन कर्नल (सेवानिवृत्त) अरुण दत्ता, जेनेसिस ग्रुप ऑफ स्कूल्स के एमडी जितेंद्र अहलावत तथा निदेशक प्रकाश जोशी ने श्रेतिक राज को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। कर्नाल इंटरनेशनल स्कूल, करनाल (हरियाणा) एक अग्रणी आवासीय विद्यालय है, जहाँ कक्षा 6वीं से 12वीं तक की स्कूली शिक्षा के साथ-साथ IIT-JEE (Main & Advanced), NEET एवं NDA जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की समर्पित तैयारी कराई जाती है। विद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ एक स्पष्ट करियर दिशा प्रदान करना है, ताकि प्रत्येक छात्र अपने लक्ष्य को आत्मविश्वास के साथ प्राप्त कर सके।

संक्षिप्त समाचार

मोतिहारी कोर्ट परिसर में हार्ट अटैक से पुलिस अवर निरीक्षक की मौत, पुलिस महकमे में शोक

बीएनएम@ मोतिहारी। पूर्वी चंपारण पुलिस महकमे के लिए शुक्रवार का दिन बेहद दुखद रहा। राजेपुर थाना में पदस्थापित पुलिस अवर निरीक्षक (पुअनि) दीप नारायण प्रसाद का मोतिहारी कोर्ट परिसर में अचानक हार्ट अटैक आने से निधन हो गया। जानकारी के अनुसार, पुअनि दीप नारायण प्रसाद एक मामले में चार्जशीट जमा करने के लिए मोतिहारी न्यायालय पहुंचे थे। इसी दौरान उनकी अचानक तबीयत बिगड़ गई और उन्हें हार्ट अटैक आया। मौके पर मौजूद लोगों ने उन्हें तत्काल चिकित्सकीय सहायता दिलाने का प्रयास किया, लेकिन उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। दीप नारायण प्रसाद के आकस्मिक निधन की खबर मिलते ही पुलिस महकमे में शोक की लहर दौड़ गई। उनके सहयोगी अधिकारियों और कर्मियों ने इसे विभाग के लिए अपूरणीय क्षति बताया। मोतिहारी पुलिस ने दिवंगत पुलिस पदाधिकारी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना प्रकट की है।

लोक शिकायत पदाधिकारी के आदेश पर सरकारी जमीन की नापी, पदुमकेर पहुंचे तीन अमीन

बीएनएम@ पताही। प्रखंड क्षेत्र की पदुमकेर पंचायत के वार्ड संख्या-3 में सार्वजनिक कुएं की सरकारी भूमि पर कथित अतिक्रमण की शिकायत के बाद प्रशासन सक्रिय हो गया है। अनुमंडल लोक शिकायत पदाधिकारी, पकड़ीदयाल के आदेश पर अंचल प्रशासन ने तीन अमीनों की टीम गठित कर संबंधित स्थल की नापी एवं सीमांकन कराया। जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता मुन्ना कुमार ने अनुमंडल लोक शिकायत पदाधिकारी के समक्ष आवेदन देकर आरोप लगाया था कि गांव में वर्षों से सार्वजनिक उपयोग में रहे कुएं की सरकारी भूमि पर अतिक्रमण कर पक्का निर्माण कर लिया गया है, जिससे ग्रामीणों के अधिकार प्रभावित हो रहे हैं। आदेश के अनुपालन में तीन अमीनों की टीम पदुमकेर गांव पहुंची। संबंधित पक्षों और ग्रामीणों की उपस्थिति में राजस्व अभिलेखों के आधार पर भूमि की विधिवत नापी एवं सीमांकन किया गया। इस दौरान अभिलेखों से भूमि की स्थिति का मिलान भी किया गया। अमीनों द्वारा तैयार की जा रही नापी रिपोर्ट अंचल कार्यालय को सौंपी जाएगी। इसके आधार पर राजस्व अभिलेखों का परीक्षण कर आगे की प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी। यदि जांच में सरकारी भूमि पर अतिक्रमण की पुष्टि होती है, तो नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। शिकायतकर्ता ने प्रशासन से सार्वजनिक भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग की है। वहीं, लोक शिकायत पदाधिकारी के आदेश पर हुई इस कार्रवाई से ग्रामीणों में निष्पक्ष जांच और शीघ्र समाधान की उम्मीद जगी है।

20 वर्ष पुराने हत्या के प्रयास मामले का फरार कुर्की वारंटी मुजफ्फरपुर से गिरफ्तार

बीएनएम@ हरसिद्धि। हरसिद्धि थाना पुलिस ने करीब 20 वर्ष पुराने हत्या के प्रयास के मामले में फरार चल रहे कुर्की वारंटी को मुजफ्फरपुर जिले से गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस के अनुसार, एस.टी.आर. संख्या 820/07 एवं हरसिद्धि थाना कांड संख्या 149/06 (हत्या के प्रयास) में वांछित कुर्की वारंटी अजय राय, पिता लाल बाबू राय, निवासी भादा, थाना हरसिद्धि, जिला पूर्वी चंपारण को मुजफ्फरपुर जिले के मुसहरी थाना क्षेत्र के रोहूआ गांव से गिरफ्तार किया गया। हरसिद्धि थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था और उसके विरुद्ध कुर्की वारंट जारी था। गुप्त सूचना एवं तकनीकी अनुसंधान के आधार पर पुलिस टीम ने मुजफ्फरपुर के रोहूआ गांव में छापेमारी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि आरोपी के विरुद्ध पूर्व में हरसिद्धि थाना कांड संख्या 387/12 (दहेज हत्या) में भी उसके घर की कुर्की की जा चुकी है। थानाध्यक्ष ने कहा, "फरार वारंटियों और अपराधियों के विरुद्ध पुलिस का अभियान लगातार जारी है। किसी भी कीमत पर कानून से बचने नहीं दिया जाएगा।" गिरफ्तार अभियुक्त को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है।

बिहार में पूरी रफ्तार से जारी है हिन्दी फीचर फिल्म 'द आउटकास्ट बड' की शूटिंग, दूसरे शेड्यूल का हुआ सफल समापन

बीएनएम@ पटना/मोतिहारी

ओम शांति प्रोडक्शन प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले बन रही हिन्दी फीचर फिल्म 'द आउटकास्ट बड' के दूसरे शेड्यूल की शूटिंग 26 जून से 4 जुलाई तक सफलतापूर्वक पूरी कर ली गई है। यह फिल्म बिहार राज्य फिल्म विकास एवं वित्त निगम, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार सरकार से स्वीकृत परियोजना है।

फिल्म के निर्माता एवं निर्देशक नीतीश राज और सुमित मौर्या हैं। फिल्म में मशहूर अभिनेता संजय पाण्डेय, सुशील सिंह, सतीश राज, रश्मि पाठक, श्रेया श्रीवास्तव, निशांत पल्लव सहित कई कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

निर्माता-निर्देशक नीतीश राज ने बताया कि फिल्म की कहानी सुमित मौर्या ने लिखी है। यह समाज के उस शोषित और बहिष्कृत वर्ग के संघर्ष, पीड़ा और सम्मान की लड़ाई को केंद्र में रखती है, जिसे जातिगत भेदभाव के कारण वर्षों तक बुनियादी अधिकारों और सामाजिक सम्मान से वंचित रहना पड़ा। फिल्म में एक पिता और पुत्री के भावनात्मक रिश्ते को भी संवेदनशीलता के साथ प्रस्तुत किया गया है। कहानी का मूल संदेश रूढ़िवादी सामाजिक बंधनों को तोड़ते हुए मानवीय संवेदना, प्रेम और समानता की जीत को दर्शाना है।

नीतीश राज ने बिहार राज्य फिल्म विकास एवं वित्त निगम तथा कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा फिल्म निर्माण के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किए जाने से बिहार अब फिल्म निर्माण कंपनियों के लिए आकर्षक गंतव्य बनता जा रहा है। इससे क्षेत्रीय रचनात्मक अर्थव्यवस्था को भी नई गति मिली है और राज्य में फिल्म निर्माण पहले की तुलना में अधिक सहज हुआ है।

सह-निर्माता एवं निर्देशक सुमित मौर्या ने बताया कि फिल्म के एसोसिएट डायरेक्टर निखिल श्याम और सौरभ सिंह हैं, जबकि साहिल सरोज असिस्टेंट डायरेक्टर की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। कैमरा विभाग में निस्मल नौशाद, अपसील अजोश, संपूर्णानंद और दीप भेंसाला शामिल हैं। फोकस पुल्लर बिजेंद्र कुमार यादव, साउंड रिकॉर्डिस्ट रंजीत कुमार, आर्ट विभाग में आरुषि खेरवाल और प्रमोद, प्रोडक्शन टीम में जूही सुमन, आनंद शिवाय, रौनक, सिद्धार्थ और राजन, बीटीएस में राहुल एवं अभिषेक, हेयर आर्टिस्ट गुंजन, मेकअप आर्टिस्ट राजन तथा कॉस्ट्यूम डिजाइनर विवेक ने फिल्म को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

फिल्म के पहले शेड्यूल की शूटिंग 25 मार्च से 9 अप्रैल तक पूरी हुई थी। फिल्म की शूटिंग पटना, पूर्वी चंपारण और पश्चिमी चंपारण के विभिन्न स्थानों पर की जा रही है।

नीतीश राज ने बिहार राज्य फिल्म विकास एवं वित्त निगम, पटना के साथ-साथ पूर्वी चंपारण के जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी (डीपीआरओ) तथा जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी का सहयोग के लिए विशेष रूप से धन्यवाद ज्ञापित किया।

एमजीसीयू में विश्व जनसंख्या दिवस पर व्याख्यान, युवाओं को बताया सतत भविष्य की सबसे बड़ी ताकत

बीएनएम@ मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय (एमजीसीयू) के सेहत केंद्र द्वारा विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर "जनसंख्या, युवा और सतत भविष्य" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के संरक्षक विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव थे। कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने कहा कि विश्व जनसंख्या दिवस का उद्देश्य केवल जनसंख्या के आंकड़ों पर चर्चा करना नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवार नियोजन और सतत विकास के प्रति समाज को जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि बढ़ती जनसंख्या के साथ संसाधनों पर दबाव बढ़ता है, इसलिए युवाओं को जागरूक करना, महिला स्वास्थ्य, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और परिवार नियोजन को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि "जनसंख्या नियंत्रण नहीं, बल्कि जनसंख्या सशक्तीकरण हमारा लक्ष्य होना चाहिए।" कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एवं समाज कार्य विभागाध्यक्ष डॉ. मृत्युंजय कुमार सिंह ने कहा कि भारत के पास दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी है, जो देश के सतत भविष्य की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने बताया कि यदि युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास और रोजगार के अवसर मिलें तो भारत जनसांख्यिकीय लाभांश का पूरा लाभ उठा सकता है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी-2030) और राष्ट्रीय युवा नीति-2024 के संदर्भ में युवाओं की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। जन्तु विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. बुद्धि प्रकाश जैन ने कहा कि जनसंख्या वृद्धि से अधिक बड़ी चुनौती संसाधनों का असंतुलित उपयोग और जागरूकता की कमी है। उन्होंने महिला सशक्तिकरण, बालिका शिक्षा, परिवार नियोजन और पर्यावरण संरक्षण को सतत विकास की आधारशिला बताते हुए युवाओं से जागरूकता अभियान में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। कार्यक्रम में सेहत केंद्र के समन्वयक डॉ. बबलू पाल, सह-समन्वयक डॉ. गोविंद प्रसाद वर्मा, डॉ. मणि शंकर द्विवेदी, डॉ. मोहिनी श्रीवास्तव, डॉ. श्यामनंदन सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक, शोधार्थी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन हिंदी विभाग के शोधार्थी महेश कुमार ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. बबलू पाल ने किया।

सीमावर्ती 12 गांवों के विकास को मिलेगी नई रफ्तार, VVP-II के तहत बनेगी समग्र कार्ययोजना

बीएनएम@ मोतिहारी

सीमावर्ती क्षेत्रों के समग्र विकास को गति देने के उद्देश्य से वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम-II (VVP-II) के तहत जिला स्तरीय समिति (डीएलसी) की बैठक शुक्रवार को समाहरणालय में जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में चयनित सीमावर्ती गांवों के विकास के लिए व्यापक कार्ययोजना तैयार करने पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में बताया गया कि जिले के छह सीमावर्ती प्रखंडों के 12 रणनीतिक गांवों का चयन योजना के तहत किया गया है। इनमें आदापुर का चन्द्रमन, बनकटवा का बिजबनी, छौड़ादानो के धर्मनगर, महुआवा एवं परसा, घोड़ासहन के बरवा खुर्द, जमुनिया कवैया, झरोखर एवं समनपुर, ढाका का परसा तथा रक्सौल के भरतमही एवं पनटोका शामिल हैं। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि चयनित गांवों में सड़क संपर्क, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा, आजीविका, कौशल विकास, कृषि, लघु उद्योग, बैंकिंग और दूरसंचार सहित सभी आधारभूत सुविधाओं का गैप एनालिसिस कर प्राथमिकता के आधार पर विकास योजनाएं तैयार की जाएं। उन्होंने विभागीय अधिकारियों और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के अधिकारियों को आपसी समन्वय से विस्तृत कार्ययोजना एवं अनुमानित लागत का प्रस्ताव शीघ्र उपलब्ध कराने को कहा। बैठक में बताया गया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य सीमावर्ती गांवों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार, रोजगार एवं आजीविका के अवसर बढ़ाना, पलायन पर रोक लगाना, स्थानीय संस्कृति का संरक्षण करना तथा सरकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र परिवार तक पहुंचाना है। जिलाधिकारी ने सभी विभागों को उपलब्ध संसाधनों का प्रभावी उपयोग करते हुए समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए, ताकि सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास को नई गति मिल सके। बैठक में सहायक समाहर्ता राजकृष्ण झा, एसएसबी की 71वीं बटालियन मोतिहारी, 47वीं बटालियन रक्सौल एवं 20वीं बटालियन सीतामढ़ी के समादेष्टा, जिला योजना पदाधिकारी-सह-सहायक नोडल पदाधिकारी राहुल रंजन, सिविल सर्जन, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी एवं कार्यपालक अभियंता उपस्थित रहे।

आईआईआरएफ स्कूल रैंकिंग 2026 में जीके मेमोरियल स्कूल बना बिहार का नंबर-1, देशभर में 39वीं रैंक

220 वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में बनाई जगह, शीर्ष 40 स्कूलों और टॉप 18 प्रतिशत संस्थानों में शामिल

बीएनएम@ मोतिहारी

पूर्वी चम्पारण के सुगौली स्थित जीके मेमोरियल स्कूल ने शिक्षा के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए आईआईआरएफ (इंटरनेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क) स्कूल रैंकिंग- 2026 में बिहार में प्रथम स्थान और अखिल भारतीय स्तर पर 39वीं रैंक प्राप्त की है। इस वर्ष देशभर के 220 वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों ने रैंकिंग में भाग लिया था, जिनमें विद्यालय ने शीर्ष 40 स्कूलों तथा टॉप 18 प्रतिशत संस्थानों में अपनी जगह बनाई। इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में विद्यालय परिसर में आयोजित प्रेस वार्ता में प्रबंधन ने सफलता के पीछे की कार्ययोजना, शिक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता तथा भविष्य की योजनाओं की जानकारी दी। विद्यालय के निदेशक अमरेन्द्र पाण्डेय ने कहा कि यह उपलब्धि केवल जीके मेमोरियल स्कूल की नहीं, बल्कि पूरे पूर्वी चम्पारण और बिहार के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि दूरदृष्टि, समर्पित शिक्षक, सहयोगी अभिभावक और मेहनती विद्यार्थियों के सामूहिक प्रयास से ग्रामीण क्षेत्र का विद्यालय भी राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकता है। विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि आईआईआरएफ रैंकिंग केवल परीक्षा परिणामों के आधार पर नहीं, बल्कि शैक्षणिक गुणवत्ता, शिक्षण प्रक्रिया, नवाचार, अधोसंरचना, सुशासन, विद्यार्थियों के समग्र विकास और संस्थागत उत्कृष्टता जैसे विभिन्न मानकों पर आधारित होती है। प्रबंधन के अनुसार, जीके मेमोरियल स्कूल ने महाराष्ट्र, हरियाणा, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल, पंजाब, राजस्थान, मध्य प्रदेश और गुजरात जैसे राज्यों के अनेक प्रतिष्ठित विद्यालयों से बेहतर रैंक हासिल की है। इसे बिहार के विद्यालयों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर एक नई पहचान के रूप में देखा जा रहा है। विद्यालय ने इस सफलता का श्रेय तकनीक आधारित स्मार्ट कक्षाओं, अनुभवात्मक शिक्षण, शिक्षकों के सतत प्रशिक्षण, नेतृत्व विकास कार्यक्रम, खेल सुविधाओं, भाषा विकास कार्यक्रम तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर विशेष फोकस को दिया। साथ ही शिक्षकों, विद्यार्थियों, अभिभावकों, कर्मचारियों एवं शुभचिंतकों के सहयोग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी शिक्षा की गुणवत्ता को नई ऊँचाइयों तक ले जाने का संकल्प दोहराया। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि आने वाले वर्षों में जीके मेमोरियल स्कूल का लक्ष्य राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान को और मजबूत करना तथा बिहार के विद्यार्थियों को विश्वस्तरीय शिक्षा उपलब्ध कराना है।

जनता के दरबार में 60 मामलों की सुनवाई, त्वरित निष्पादन का निर्देश

बीएनएम@ मोतिहारी

समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन भवन सभागार में शुक्रवार को आयोजित "जनता के दरबार में जिला प्रशासन" कार्यक्रम के दौरान जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं अंचलों से आए 60 आवेदनों पर सुनवाई की गई। जिलाधिकारी के निर्देश पर अपर समाहर्ता (विभागीय जांच) मो. सिबगतुल्लाह की अध्यक्षता में जिला स्तरीय अधिकारियों ने फरियादियों की समस्याएं सुनीं। सुनवाई के दौरान भूमि विवाद, अतिक्रमण, राजस्व विभाग से संबंधित मामलों सहित अन्य जनसमस्याओं के आवेदन प्राप्त हुए। अपर समाहर्ता ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को सभी मामलों का शीघ्र, निष्पक्ष एवं विधिसम्मत निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक आवेदन पर गंभीरता से कार्रवाई की जाएगी और किसी भी शिकायत को लंबित नहीं रहने दिया जाएगा। साथ ही प्रभारी पदाधिकारी, जिला जन शिकायत कोषांग को सभी मामलों की अग्रेतर कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। इस अवसर पर वरीय उप समाहर्ता विकास कुमार सहित जिला प्रशासन के अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

डीएम-एसपी ने खेल भवन जिम का किया औचक निरीक्षण, सुविधाओं में सुधार के दिए निर्देश

बीएनएम@ मोतिहारी

जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव एवं पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने शुक्रवार को नगर स्थित खेल भवन में संचालित जिम का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान दोनों अधिकारियों ने जिम में उपलब्ध उपकरणों, साफ-सफाई और अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के क्रम में जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने जिम के उपकरणों की आवश्यक मरम्मत, नियमित रखरखाव और साफ-सफाई सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। साथ ही जिम का संचालन और अधिक व्यवस्थित एवं प्रभावी ढंग से करने पर भी बल दिया। अधिकारियों ने कहा कि खिलाड़ियों और युवाओं को बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। इसके लिए जिम में सभी आवश्यक संसाधन सुचारु रूप से उपलब्ध रहने चाहिए। इस अवसर पर नगर आयुक्त आशीष कुमार सहित संबंधित विभागों के अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

एमजीसीयू में 'पंच परिवर्तन' पर युवा संवाद, विकसित भारत के लिए युवाओं से कर्तव्य पालन का आह्वान

बीएनएम@ मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय (एमजीसीयू) के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा शुक्रवार को "पंच परिवर्तन आधारित युवा संकल्प" विषय पर प्रेरक बौद्धिक एवं युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के मोतिहारी जिला प्रचारक शिवम् सोनू मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी भावना और नागरिक कर्तव्यों के प्रति जागरूकता विकसित करना था। अपने संबोधन में शिवम् सोनू ने कहा कि वर्तमान समय केवल अधिकारों की नहीं, बल्कि कर्तव्यों के पालन की भी मांग करता है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संकट, सामाजिक विघटन और सांस्कृतिक चुनौतियों जैसी समस्याओं का समाधान जागरूक एवं जिम्मेदार नागरिकों से ही संभव है। उन्होंने कहा कि "पंच परिवर्तन" अभियान समाज में कर्तव्यबोध, आत्मानुशासन और सकारात्मक सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देने का व्यापक जनआंदोलन है। उन्होंने पंच परिवर्तन के पांच प्रमुख आयाम—पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी स्वाभिमान, परिवार एवं समाज समन्वय, नागरिक कर्तव्य और सामाजिक समरसता—पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि इन्हीं मूल्यों के आधार पर विकसित और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण संभव है। मुख्य वक्ता ने युवाओं से पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण, स्वदेशी उत्पादों को अपनाने, मातृभाषा के सम्मान, परिवार और गुरुजनों के प्रति आदर, संविधान एवं कानून के पालन तथा सामाजिक समरसता को अपने जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवा केवल देश का भविष्य नहीं, बल्कि वर्तमान के परिवर्तनकारी नेतृत्व हैं। कार्यक्रम के दौरान आयोजित संवाद सत्र में विद्यार्थियों और शोधार्थियों ने नागरिक कर्तव्यों, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी, सामाजिक समरसता और विकसित भारत से जुड़े विषयों पर प्रश्न पूछे, जिनका शिवम् सोनू ने विस्तार से उत्तर दिया। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों और शिक्षकों ने सेवा, अनुशासन, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता, स्वदेशी और राष्ट्रहित को जीवन में अपनाने का सामूहिक संकल्प लिया। विभाग की ओर से मुख्य वक्ता का आभार व्यक्त किया गया तथा राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर प्रो. श्याम कुमार झा, प्रो. पंकज कुमार सिंह, डॉ. नरेंद्र सिंह, डॉ. ओम प्रकाश गुप्ता, डॉ. अनुपम कुमार वर्मा, डॉ. अभय विक्रम सिंह, डॉ. बबलू पाल, डॉ. मणिशंकर तिवारी, डॉ. मोहनी श्रीवास्तव, डॉ. अरुण कुमार सहित विभाग के शोधार्थी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

तेज रफ्तार पिकअप ने कोचिंग जा रही छात्रा को रौंदा, गंभीर हालत में मोतिहारी रेफर

बीएनएम@ तुरकौलिया। तुरकौलिया-छपवा मुख्य सड़क पर कोरैया मस्जिद के समीप शुक्रवार को एक तेज रफ्तार मुर्गी लदे पिकअप वाहन की चपेट में आने से साइकिल से कोचिंग जा रही एक छात्रा गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए छात्रा को वाहन के नीचे से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। घायल छात्रा की पहचान सलोनी कुमारी (19 वर्ष), पिता राजेंद्र सिंह, निवासी जयसिंहपुर चिलराव के रूप में हुई है। बताया जाता है कि सलोनी साइकिल से कोचिंग पढ़ने के लिए तुरकौलिया जा रही थी। इसी दौरान तुरकौलिया से छपवा की ओर जा रहे मुर्गी लदे तेज रफ्तार पिकअप ने कोरैया मस्जिद के समीप उसे जोरदार टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी भीषण थी कि छात्रा पिकअप के नीचे दब गई। आसपास मौजूद ग्रामीणों ने काफी मशक्कत के बाद उसे वाहन के नीचे से सुरक्षित बाहर निकाला और तत्काल इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए रहमानिया मेडिकल सेंटर, मोतिहारी रेफर कर दिया, जहां उसका इलाज जारी है। परिजनों ने बताया कि सलोनी गर्ल्स हाई स्कूल, नया टोला की इंटर की छात्रा है और प्रतिदिन साइकिल से कोचिंग के लिए तुरकौलिया आती-जाती थी। थानाध्यक्ष रंजीत कुमार ने बताया कि घटना की जानकारी मिली है। पीड़ित पक्ष से आवेदन मिलने के बाद मामले में विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

मिड डे मील में गड़बड़ी की शिकायत पर प्रशासन सख्त

एसडीओ ने तीनों प्रखंडों के विद्यालयों की जांच के दिए आदेश

बीएनएम@ समस्तीपुर। पटोरी अनुमंडल क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों में संचालित मध्यान्ह भोजन योजना में कथित अनियमितताओं को लेकर प्रशासन सख्त हो गया है। पूर्व एमएलसी प्रत्याशी सह भाजपा नेता अविनाश कुमार झा ने पटोरी अनुमंडल पदाधिकारी विकास कुमार पांडेय को आवेदन सौंपकर सरकारी विद्यालयों में मिड डे मील योजना की व्यापक जांच कराने तथा दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। अपने आवेदन में अविनाश कुमार झा ने आरोप लगाया है कि पहली से आठवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों को सरकार द्वारा निर्धारित मेन्यू के अनुरूप पौष्टिक भोजन उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। कई विद्यालयों में अंडा, मौसमी फल एवं अन्य खाद्य सामग्री में कटौती की जा रही है। साथ ही भोजन की गुणवत्ता भी निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं है। उन्होंने कई विद्यालयों का उल्लेख करते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। वहीं, अनुमंडल पदाधिकारी विकास कुमार पांडेय ने बताया कि मिड डे मील योजना में अनियमितता की शिकायत प्राप्त हुई है। यह अत्यंत गंभीर मामला है, क्योंकि सरकार की यह योजना बच्चों के पोषण एवं उनके शैक्षणिक विकास से जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि बच्चों के अधिकारों से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

जन संवाद में जिलाधिकारी ने सुनीं लोगों की समस्याएं

बीएनएम@ समस्तीपुर। शुक्रवार को समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में जिलाधिकारी रोशन कुशवाहा की अध्यक्षता में जन संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं पंचायतों से पहुंचे लोगों ने अपनी समस्याएं सीधे जिलाधिकारी के समक्ष रखीं। इस दौरान भूमि विवाद, राजस्व संबंधी मामले, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, आरटीपीएस, अतिक्रमण, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, सड़क सहित अन्य जनहित से जुड़े मामलों के आवेदन प्राप्त हुए। जिलाधिकारी ने प्रत्येक आवेदन का अवलोकन करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को सभी मामलों का नियमानुसार, पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि आम जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जन संवाद कार्यक्रम में अपर समाहर्ता, विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से नागरिकों को अपनी समस्याएं सीधे जिला प्रशासन के समक्ष रखने का अवसर मिला तथा उनके शीघ्र समाधान का भरोसा भी दिलाया गया।

रामनगर के बैकुंठवा गांव के समीप सरकारी स्कूल के पास सड़क गड्ढे में तब्दील

बीएनएम@ बगहा : बगहा अनुमंडल अंतर्गत रामनगर प्रखंड स्थित डैनमारवा पंचायत के बैकुंठवा गांव स्थित सरकारी स्कूल के पास की सड़क पूरी तरह गड्ढे में तब्दील हो गई है। सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे और कीचड़ होने के कारण राहगीरों और स्कूली बच्चों को रोजाना परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि आए दिन छोटे बच्चे इस गड्ढे में गिरकर चोटिल हो जाते हैं। बरसात में स्थिति और भी बदतर हो जाती है। दोपहिया वाहन चालक फिसलकर गिर जाते हैं और पैदल चलने वालों को भी जान जोखिम में डालकर आना-जाना पड़ता है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस समस्या को लेकर डेनमारवा पंचायत की मुखिया नूरजहां खातून और वार्ड संख्या 4 व 5 के वार्ड सदस्यों से कई बार शिकायत की गई, लेकिन अब तक कोई पहल नहीं की गई। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि स्कूल के पास स्थित इस जर्जर सड़क की अविलंब मरम्मत कराई जाए और जलजमाव की समस्या का स्थायी समाधान किया जाए।

आनंद मोहन की रिहाई पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

माफी बोर्ड को गुमराह करने पर उठाए गंभीर सवाल

बीएनएम@ नई दिल्ली/पटना। पूर्व सांसद आनंद मोहन की समय से पूर्व रिहाई को चुनौती देने वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई पूरी कर फैसला सुरक्षित रख लिया है। 1994 के चर्चित आईएएस अधिकारी जी. कृष्णैया हत्याकांड से जुड़े इस मामले में न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति शील नागू की पीठ ने बिहार सरकार और जेल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर कड़ी टिप्पणी करते हुए रिहाई की प्रक्रिया में गंभीर खामियों की ओर संकेत किया। सुनवाई के दौरान अदालत ने यह महत्वपूर्ण सवाल उठाया कि ड्यूटी पर तैनात किसी जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) की हत्या को यदि 'दुर्लभतम अपराध' नहीं माना जाएगा, तो फिर किस अपराध को इस श्रेणी में रखा जाएगा। पटना हाईकोर्ट की पूर्व टिप्पणी पर असहमति जताते हुए न्यायमूर्ति दत्ता ने कहा कि ऐसी टिप्पणियां अपराधियों का मनोबल बढ़ा सकती हैं और गलत संदेश देती हैं कि सरकारी अधिकारियों की हत्या करने पर भी राहत मिल सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने आनंद मोहन की समयपूर्व रिहाई की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए। अदालत ने कहा कि नियमों के अनुसार किसी दोषी को रिहाई के लिए कम से कम 14 वर्ष की वास्तविक सजा और 20 वर्ष की कुल सजा पूरी करना आवश्यक है। पीठ के अनुसार, आनंद मोहन ने अपने पहले आवेदन में स्वयं स्वीकार किया था कि उन्होंने 20 वर्ष की शर्त पूरी नहीं की थी, फिर भी उनकी रिहाई को मंजूरी दे दी गई। जी. कृष्णैया की पत्नी उमा कृष्णैया द्वारा दायर याचिका पर अब सुप्रीम कोर्ट के अंतिम फैसले का इंतजार है।

बिहार में 50 हजार करोड़ का सरकारी भुगतान अटका

ठेकेदारों के सामने गहराया आर्थिक संकट

बीएनएम@ पटना। बिहार में सरकारी निर्माण कार्यों से जुड़े ठेकेदारों का करीब 50 हजार करोड़ रुपये का भुगतान लंबित होने का मामला गंभीर होता जा रहा है। बिहार संवेदक संघ के अनुसार, पिछले नौ से दस महीनों से विभिन्न सरकारी विभागों, निगमों और एजेंसियों द्वारा कराए गए निर्माण कार्यों के बिलों का भुगतान नहीं हो सका है। इससे विशेष रूप से छोटे और मझोले ठेकेदार आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। संवेदक संघ का दावा है कि राज्य के करीब ढाई दर्जन सरकारी विभागों और एजेंसियों के तहत किए गए कार्यों का भुगतान पिछले वर्ष अक्टूबर से अटका हुआ है। लंबे समय से भुगतान नहीं मिलने के कारण कई निर्माण एजेंसियों की वित्तीय स्थिति कमजोर हो गई है। ठेकेदारों का कहना है कि कार्य पूरा करने के बावजूद भुगतान नहीं मिलने से नई परियोजनाओं में भाग लेना और मौजूदा कार्यों को जारी रखना कठिन हो गया है। बिहार संवेदक संघ ने मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत से हस्तक्षेप की मांग की थी। इसके बाद ग्रामीण कार्य विभाग ने लगभग 500 करोड़ रुपये का भुगतान जारी किया। हालांकि संघ का कहना है कि यह कुल बकाया राशि की तुलना में बेहद कम है और अधिकांश विभागों में अब भी बड़ी संख्या में बिल लंबित हैं। संवेदक संघ ने राज्य सरकार से सभी विभागों में लंबित भुगतानों का शीघ्र निपटारा करने की मांग की है।

30 फीट गहरे बोरवेल में फंसे मासूम पीयूष को 7 घंटे बाद जिंदा निकाला गया

बीएनएम@ गयाजी

NDRF-SDRF का कामयाब रेस्क्यू, मौत के कुएं से जिंदगी की हुई वापसी

जिले के फतेहपुर प्रखंड के रंगून नगर में तीन वर्षीय आयुष कुमार खेलते-खेलते 30 फीट गहरे खुले बोरवेल में गिर गया। करीब सात घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद उसे सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। जैसे ही आयुष को बाहर निकाला गया, पूरे गांव में तालियों की गड़गड़ाहट और खुशी की लहर दौड़ गई। परिजनों की आंखों में राहत के आंसू थे, जबकि प्रशासन और रेस्क्यू टीम की लोगों ने सराहना की। गुरपा थाना क्षेत्र के रंगून नगर गांव निवासी दिनेश मांझी का तीन वर्षीय पुत्र आयुष कुमार घर के पास खेल रहा था। इसी दौरान वह खुले पड़े बोरवेल के पास पहुंच गया और अचानक लगभग 30 फीट गहरे बोरवेल में गिर गया। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और

प्रशासन को जानकारी दी। देखते ही देखते घटनास्थल पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था और हर कोई बच्चे की सलामती की दुआ कर रहा था। सूचना मिलते ही गुरपा थाना पुलिस, स्थानीय प्रशासन और बचाव दल मौके पर पहुंच गया। बाद में एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों ने भी रेस्क्यू की कमान संभाली। विशेषज्ञों की निगरानी में वैज्ञानिक तरीके से अभियान चलाया गया। रेस्क्यू के दौरान बच्चे तक लगातार पाइप के माध्यम से ऑक्सीजन पहुंचाई जाती रही, ताकि उसे सांस लेने में कोई परेशानी न हो। कई घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद टीम ने आयुष को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।जैसे ही बचाव दल ने बच्चे को सुरक्षित बाहर निकाला, पूरे इलाके में खुशी की लहर दौड़ गई। मौके पर मौजूद लोगों ने तालियां बजाकर रेस्क्यू टीम का उत्साह बढ़ाया। परिजनों ने राहत की सांस ली और कई लोगों की आंखें खुशी से नम हो गईं। बोरवेल से बाहर निकालने के तुरंत बाद आयुष को चिकित्सकीय जांच और इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। डॉक्टरों की निगरानी में उसका स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। प्रशासन ने बताया कि बच्चे को सुरक्षित निकालना सबसे बड़ी प्राथमिकता थी, जिसके लिए सभी एजेंसियों ने समन्वय के साथ काम किया।

बिहार ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) के क्षेत्र में बढ़ाया बड़ा कदम

स्वदेशी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मॉडल विकसित करेगा बिहार

» सीएम की उपस्थिति में सूचना प्रावैधिकी विभाग ने एमओयू पर किया हस्ताक्षर

बीएनएम@ पटना

यह पहल डिजिटल बिहार और विकसित बिहार के संकल्प को साकार करने की दिशा में उपलब्धि : सम्राट

बिहार ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक पहल करते हुए डिजिटल सुशासन की दिशा में बड़ा कदम बढ़ाया है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की उपस्थिति में मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित 'संवाद' में सूचना प्रावैधिकी विभाग ने Sarvam.AI (Axonwise Pvt. Ltd.) और BharatGPT (CoRover Pvt. Ltd.) के साथ समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए। इस साझेदारी का उद्देश्य बिहार की जरूरतों के अनुरूप स्वदेशी AI मॉडल विकसित करना और सरकारी सेवाओं को अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं नागरिक-केंद्रित बनाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल डिजिटल बिहार और विकसित बिहार के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि राज्य की आवश्यकताओं के अनुरूप भारतीय तकनीक पर आधारित AI मॉडल तैयार किए जाएंगे, जिससे शासन-प्रशासन में आधुनिक तकनीक का अधिक प्रभावी उपयोग सुनिश्चित होगा। AI आधारित समाधान सरकारी सेवाओं को तेज, सरल और पारदर्शी बनाएंगे, जिससे आम नागरिकों को बेहतर सेवाएं मिल सकेंगी। समझौते के तहत राज्य में AI की पहुंच हर नागरिक और सरकारी अधिकारी तक आसान बनाई जाएगी। इसके लिए मजबूत डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया जाएगा, जिससे भारत में विकसित मूलभूत AI मॉडल और एप्लिकेशन तक राज्य के विभिन्न विभागों की पहुंच सुनिश्चित हो सकेगी। बिहार के शोधकर्ताओं को भारतीय भाषाओं और स्थानीय बोलियों में AI अनुसंधान करने का अवसर मिलेगा, जिससे स्थानीय समस्याओं के समाधान के लिए तकनीक का बेहतर उपयोग किया जा सकेगा। इस पहल का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य AI कौशल विकास और क्षमता निर्माण भी है। राज्य के सरकारी कर्मचारियों को AI तकनीक का प्रशिक्षण दिया जाएगा, जबकि युवाओं और स्टार्टअप्स के लिए भी व्यापक अवसर तैयार किए जाएंगे। AI आधारित स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए सहयोग, मार्गदर्शन और तकनीकी सहायता उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे बिहार नवाचार और डिजिटल उद्यमिता का नया केंद्र बन सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्थानीय भाषाओं और स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप AI समाधान विकसित कर बिहार देश में AI आधारित सुशासन का मॉडल राज्य बन सकता है। इससे प्रशासनिक कार्यों की दक्षता बढ़ेगी और नागरिकों को सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ अधिक सहजता से मिलेगा। कार्यक्रम के दौरान सूचना प्रावैधिकी विभाग के सचिव अभय कुमार सिंह ने मुख्यमंत्री को पौधा भेंट कर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री विजेंद्र प्रसाद यादव, सूचना प्रावैधिकी मंत्री नीतीश मिश्रा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, मुख्यमंत्री के सचिव लोकेश कुमार सिंह, विशेष सचिव अरविंद कुमार चौधरी, BharatGPT के वाइस प्रेसिडेंट शशांक शेखर ठाकुर, Sarvam.AI के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर राज चौहान सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। इस समझौते को बिहार में डिजिटल प्रशासन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित नवाचार और तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में एक मील का पत्थर माना जा रहा है। इससे राज्य में AI अनुसंधान, कौशल विकास, स्टार्टअप संस्कृति और नागरिक सेवाओं के आधुनिकीकरण को नई गति मिलने की उम्मीद है।

कोचिंग छात्र ने साइकिल मिस्त्री पर ताना कट्टा, साहस दिखाकर मिस्त्री ने छीना हथियार

बीएनएम@ हरसिद्धि

हरसिद्धि थाना क्षेत्र के गायघाट चौक पर शुक्रवार को एक सनसनीखेज घटना सामने आई, जहां कोचिंग में पढ़ने वाले 15 वर्षीय छात्र ने एक साइकिल मिस्त्री को देसी कट्टा दिखाकर डराने की कोशिश की। हालांकि साइकिल मिस्त्री ने साहस का परिचय देते हुए छात्र के हाथ से कट्टा छीन लिया और तत्काल डायल 112 पुलिस को सूचना दी। जानकारी के अनुसार, आरोपी छात्र की पहचान रामनगर गांव निवासी उमेश यादव के पुत्र मनु कुमार (15 वर्ष) के रूप में हुई है। बताया जाता है कि किसी बात को लेकर गायघाट के साइकिल मिस्त्री सूरज पटेल से उसका विवाद हो गया, जिसके बाद उसने कट्टा निकालकर उसे धमकाने का प्रयास किया। घटना के दौरान मिस्त्री ने सूझबूझ और

बहादुरी दिखाते हुए छात्र के हाथ से कट्टा छीन लिया। सूचना मिलने पर डायल 112 की पुलिस मौके पर पहुंची और कट्टे को जब्त कर लिया। इस बीच आरोपी छात्र मौके का फायदा उठाकर फरार हो गया। हरसिद्धि थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि कट्टा दिखाने वाले छात्र की पहचान कर ली गई है। पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

कुर्की की कार्रवाई के डर से दो फरार वारंटियों ने किया आत्मसमर्पण, न्यायिक हिरासत में भेजे गए

बीएनएम@ हरसिद्धि

हरसिद्धि थाना पुलिस के लगातार चल रहे कुर्की अभियान का असर अब साफ दिखाई देने लगा है। पुलिस की सख्ती और कुर्की की कार्रवाई के भय से दो फरार वारंटियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। दोनों को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया जा रहा है। हरसिद्धि थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि टी.आर. संख्या 642/05 के कुर्की वारंटी विजय सहनी, पिता मोहन साहनी, निवासी उज्जैन लोहिया, थाना हरसिद्धि, तथा टी.आर. संख्या 3109/25 के कुर्की वारंटी आनंद कुमार श्रीवास्तव, पिता शिवनाथ प्रसाद, निवासी पानापुर नया टोला, थाना हरसिद्धि, जिला पूर्वी चंपारण, ने कुर्की की कार्रवाई के भय से स्वयं थाना पहुंचकर आत्मसमर्पण किया। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने कहा, "फरार वारंटियों के विरुद्ध लगातार कुर्की अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के दबाव में दोनों

वारंटियों ने आत्मसमर्पण किया है। कानून से बचने वालों के खिलाफ आगे भी इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।" उन्होंने बताया कि दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायालय में प्रस्तुत किया जा रहा है।

मंदिर एवं मठों की भूमि का नए सर्वे में होगा सुरक्षित पंजीकरण

बीएनएम@ गयाजी

महंत एवं पुजारी शीघ्र उपलब्ध कराएं सभी आवश्यक अभिलेखः डीएम

समाहरणालय सभागार में डीएम शशांक शुभंकर ने जिले के विभिन्न मंदिरों एवं मठों के महंतों, पुजारियों तथा संबंधित अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। बैठक का उद्देश्य जिले में स्थित मंदिरों एवं मठों की भूमि को वर्तमान विशेष सर्वेक्षण में विधिवत दर्ज कराना, उनकी विधिक सुरक्षा सुनिश्चित करना तथा अतिक्रमण एवं अवैध जमाबंदी के मामलों में प्रभावी कार्रवाई करना था। बैठक में डीएम श्री शुभंकर ने कहा कि मंदिर एवं मठों की भूमि धार्मिक एवं सार्वजनिक संपत्ति है, जिसका विधिवत अभिलेखीकरण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी महंतों एवं पुजारियों से अपील की कि अपने-अपने मंदिर एवं मठों से संबंधित उपलब्ध सभी दस्तावेज, अभिलेख एवं भूमि का विस्तृत विवरण शीघ्र जिला बंदोबस्त कार्यालय में जमा कराएं, ताकि विशेष सर्वेक्षण के दौरान सभी भूमि का सही रूप से पंजीकरण

सुनिश्चित किया जा सके।उन्होंने कहा कि कई स्थानों से मंदिर एवं मठों की भूमि पर अतिक्रमण तथा अवैध कब्जे की शिकायतें प्राप्त हो रही हैं। ऐसे मामलों में संबंधित सभी अभिलेख उपलब्ध होने पर प्रशासन आवश्यक कानूनी कार्रवाई करेगा। साथ ही मंदिर एवं मठों की सभी भूमि का बिहार राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड में भी विधिवत पंजीकरण सुनिश्चित कराया जाएगा। डीएम ने स्पष्ट निर्देश दिया कि जिन मामलों में मंदिर अथवा मठ की भूमि पर किसी निजी व्यक्ति के नाम से जमाबंदी कायम कर दी गई है, उन सभी मामलों की विधिक समीक्षा कर अपर समाहर्ता (राजस्व) के न्यायालय में वाद दायर किया जाएगा तथा नियमानुसार अवैध जमाबंदी के रद्दीकरण की कार्रवाई कराई जाएगी। डीएम ने जिला बंदोबस्त पदाधिकारी को निर्देश दिया कि यदि किसी मंदिर अथवा मठ की भूमि से संबंधित विवाद लंबित हो तो सुनवाई के दौरान संबंधित मठ अथवा मंदिर को अनिवार्य रूप से नोटिस जारी कर उनका पक्ष सुना जाए, ताकि किसी भी धार्मिक संस्था के अधिकारों का संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके। बैठक में संबंधित राजस्व पदाधिकारी, जिला बंदोबस्त कार्यालय के अधिकारी तथा जिले के विभिन्न मंदिरों एवं मठों के महंत एवं पुजारी उपस्थित रहे।

नसबन्दी पखवाडा को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में समीक्षा बैठक

बीएनएम@ योगापट्टी

योगापट्टी प्रखंड क्षेत्र के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र योगापट्टी के सभागार मे बीसीएम राकेश शर्मा की अध्यक्षता मे नसबन्दी पखवाड़ा को लेकर समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक मे बीसीएम राकेश शर्मा और पीसीआई शम्भू कुमार ने कहा कि आशा कर्मी गांव गांव और अपने पोशक क्षेत्र मे पुरुष नसबन्दी और महिला बाध्यकरण के लिए लोगो को प्रोत्साहित करें। ऐसा कराने वाले महिला पुरुष को प्रोत्साहन के रूप मे सरकार द्वारा कुछ राशि प्रदान की जाएगी। साथ ही यह भी कहा कि सभी फेसलेटर अपने साथ मे काम करने वाले आशा कर्मी को भी अपने क्षेत्र मे जनसमूह को विस्तृत जानकारी देते हुए नसबन्दी और बाध्यकरण के लिए प्रोत्साहित करे |

20 दिनों से अंधेरे में तीन वार्ड, बिजली संकट से नाराज ग्रामीणों ने किया धरना-प्रदर्शन

बीएनएम@ तुरकौलिया

जयसिंहपुर उत्तरी पंचायत के तीन वार्डों में पिछले 20 दिनों से लगातार बनी बिजली संकट की समस्या को लेकर ग्रामीणों ने शुक्रवार को प्रखंड विद्युत कार्यालय पर धरना-प्रदर्शन किया। बिजली आपूर्ति ठप रहने से नाराज लोगों ने विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और जल्द समाधान की मांग की। ग्रामीणों ने बताया कि पिछले 20 दिनों से नियमित बिजली आपूर्ति नहीं हो रही है। विभाग द्वारा खराबी ठीक भी की जाती है तो कुछ ही घंटों बाद फिर तार जल जाता है या आपूर्ति बाधित हो जाती है। जनप्रतिनिधियों

और ग्रामीणों द्वारा कई बार अधिकारियों से शिकायत की गई, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला गया। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने कहा कि भीषण गर्मी में बिजली नहीं रहने से जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया है। खाना बनाने, बच्चों की पढ़ाई, भोजन करने और रात में सोने तक में भारी परेशानी हो रही है। गर्मी के कारण छोटे-छोटे बच्चे लगातार परेशान हो रहे हैं। सरपंच प्रतिनिधि जमशीद आलम ने बताया कि वार्ड संख्या 12 में वर्षों पहले एक ट्रांसफार्मर लगाया गया था, जिससे वार्ड 9, 10, 11 और 12 में बिजली आपूर्ति की जाती है। ट्रांसफार्मर से इन वार्डों की दूरी करीब चार किलोमीटर होने के कारण तारों और ट्रांसफार्मर पर अत्यधिक लोड पड़ता है। इसी वजह से बार-बार तार जल जाता है और बिजली आपूर्ति बाधित हो जाती है। उन्होंने कहा कि जिस वार्ड में ट्रांसफार्मर लगा है, वहां बिजली की समस्या अपेक्षाकृत कम है, जबकि अन्य वार्डों के लोग सबसे अधिक परेशानी झेल रहे हैं। धरना-प्रदर्शन में रमाशंकर दास, सूरज कुमार, राजू कुमार, जमील अंसारी, कुंती देवी, पूनम देवी समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। सभी ने मांग की कि प्रभावित वार्डों के लिए जल्द एक अतिरिक्त ट्रांसफार्मर लगाया जाए, ताकि बार-बार होने वाली बिजली समस्या से स्थायी राहत मिल सके।

दृढ़ता का प्रशंसनीय उदाहरण

अमेरिका में जजों के बहुमत ने महसूस किया कि कोई संवैधानिक व्यवस्था उस स्थिति में स्थिर ढंग से नहीं चल सकती, अगर गणराज्य की मूलभूत इकाई- नागरिक- की परिभाषा मनमाने ढंग से तय की जाती हो। जिस समय भारत में नागरिकता के प्रमाण-पत्र को लेकर जानबूझकर अनिश्चय पैदा कर दिया गया है, अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने दृढ़ता का प्रशंसनीय उदाहरण पेश किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने नागरिकता के इस नियम को बदलने का प्रयास किया कि अमेरिकी भूमि पर जन्मा हर व्यक्ति वहां का नैसर्गिक नागरिक है। सुप्रीम कोर्ट ने अब ट्रंप के इस आदेश को रद्द कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि नागरिकता की अवधारणा को डेढ़ सौ साल पहले संवैधानिक रूप से स्पष्ट कर दिया गया था, जिसे मनमाने ढंग से नहीं बदला जा सकता। हालांकि इस प्रश्न पर अमेरिका में उभरे तीखे राजनीतिक मतभेद और सामाजिक ध्रुवीकरण की छाया कोर्ट पर भी पड़ी। उसने 5-4 के बहुमत से ये फैसला सुनाया। यानी चार जजों ने मागा (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) आंदोलन के विदेशी विद्वेष से भरे एजेंडे के तहत लिए ट्रंप के निर्णय का पक्ष लिया। फिर भी इस निर्णय ने अमेरिकी न्यायपालिका में मौजूद स्वतंत्र चिंतन और संवैधानिक भावना के पक्ष में खड़े होने की भावना की पुष्टि की है। जजों के बहुमत ने महसूस किया कि कोई संवैधानिक व्यवस्था उस स्थिति में स्थिर ढंग से नहीं चल सकती, अगर गणराज्य की मूलभूत इकाई- नागरिक- की परिभाषा मनमाने ढंग से तय की जाती हो। इसलिए उसने 1868 में पारित 14वें संविधान की भावना के मुताबिक नागरिकता के नियमों में हेरफेर की कोशिश को नाकाम कर दिया है। संयोगवश ये फैसला उस समय आया है, जब भारत में भी नागरिकता की निर्धारित परिपाटी को मनमाने नियमों के जरिए चुनौती दी गई है। पश्चिम बंगाल में मोदी सरकार के विरोधी रहे एक अंग्रेजी अखबार के पूर्व संपादक का पासपोर्ट वोटर लिस्ट में नाम ना होने के आधार पर रीन्यू ना करने की घटना ने ऐसे मनमाने में निहित खतरे को स्पष्ट कर दिया है। संबंधित व्यक्ति का वोटर लिस्ट से नाम एसआईआर के दौरान हटा, जिसके बारे में एक धारणा यह है कि ये पूरी प्रक्रिया मनमाने ढंग से अंजाम दी गई। क्या भारतीय न्यायपालिका से आज ये उम्मीद की जा सकती है कि वह नागरिकता के प्रश्न पर अमेरिकी कोर्ट जैसी दृढ़ता दिखाएगी?

जगन्नाथ रथयात्रा : उतार-चढ़ाव, विध्वंस और पुनर्निर्माण के बीच अमर है आस्था की परंपरा

रमेश शर्मा

पुरी की विश्वविख्यात भगवान जगन्नाथ रथयात्रा भारत की सांस्कृतिक एकता, सामाजिक समरसता और सनातन परंपरा की जीवंत अभिव्यक्ति है। इस वर्ष रथयात्रा शुरू हो गई है जोकि 24 जुलाई तक आयोजित होगी। 25 जुलाई को नीलाद्री बीजे के साथ भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की मुख्य मंदिर में वापसी होगी तथा 27 जुलाई से पुनः दर्शन आरंभ होंगे। हर वर्ष लाखों श्रद्धालु इस महापर्व में सहभागी बनते हैं और यह सिद्ध करते हैं कि भारत की आध्यात्मिक चेतना समय, सत्ता और परिस्थितियों से कहीं अधिक शक्तिशाली है। पुरी स्थित जगन्नाथ मंदिर चार धामों में से एक है तथा आदि शंकराचार्य द्वारा स्थापित गोवर्धन मठ का भीकेंद्र है। मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण जगन्नाथ के रूप में अपने बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ विराजमान हैं। आषाढ़ शुक्ल द्वितीया को तीनों देवता भव्य रथों पर आरूढ़ होकर गुंडिचा मंदिर की यात्रा करते हैं और कुछ दिनों बाद पुनः श्रीमंदिर लौटते हैं। भगवान जगन्नाथ नंदीघोष, बलभद्र तालध्वज और देवी सुभद्रा दर्पदलन रथ पर विराजते हैं। लाखों श्रद्धालु लगभग 50 मीटर लंबी रस्सियों से इन रथों को हाथों से खींचते हैं। रथ को खींचना ईश्वर की सेवा और पुण्य का कार्य माना जाता है। यही कारण है कि इस अवसर पर जाति, वर्ग, भाषा और क्षेत्र की सभी सीमाएं स्वतः समाप्त हो जाती हैं।

पर्यावरण और लोककला का अद्भुत संदेशः रथयात्रा की तैयारी अक्षय तृतीया से प्रारंभ होती है। प्रत्येक वर्ष नए रथ बनाए जाते हैं और उनका निर्माण पूरी तरह पारंपरिक शिल्पकला से होता है। आधुनिक मशीनों के स्थान पर स्थानीय कारीगर अपनी पीढ़ियों से चली आ रही कला का उपयोग करते हैं। रथों के निर्माण में मुख्यतः काष्ठ का प्रयोग होता है और प्रकृति के संतुलन का विशेष ध्यान रखा जाता है। यह परंपरा भारतीय संस्कृति के उस विचार को पुष्ट करती है कि धार्मिक आस्था और पर्यावरण संरक्षण एक-दूसरे के पूरक हैं। साथ ही यह स्थानीय शिल्पकारों और लोककला को जीवित रखने का भी प्रभावी माध्यम है।

सामाजिक समरसता का अनुपम उदाहरणः रथयात्रा का सबसे प्रेरक दृश्य वह होता है जब पुरी के गजपति महाराज स्वयं स्वर्ण झाड़ू से रथों के मार्ग की सफाई करते हैं। इस परंपरा को 'छेरा पहरा' कहा जाता है। राजा के साथ राजपुरोहित तथा सबर जनजाति के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहते हैं। राजा द्वारा झाड़ू लगाना यह संदेश देता है कि ईश्वर के समक्ष कोई बड़ा या छोटा नहीं है। मंदिर की सेवा-व्यवस्था में भी विभिन्न समाजों और परंपराओं के लोगों की सहभागिता रहती है। यही कारण है कि जगन्नाथ धाम भारतीय सामाजिक समरसता और समावेशी संस्कृति का अद्वितीय प्रतीक माना जाता है।

पौराणिक कथा में छिपा सांस्कृतिक संदेशः मान्यता है कि यह क्षेत्र प्राचीनकाल में सबर जनजाति का था। उनके प्रमुख विश्ववसु भगवान नीलमाधव के उपासक थे। राजा इंद्रद्युम्न को स्वप्न में भगवान ने मंदिर निर्माण का आदेश दिया। बाद में समुद्र से प्राप्त दिव्य काष्ठ से भगवान की प्रतिमा बनाने का निर्देश मिला। स्वयं विश्वकर्मा बढ़ई के रूप में प्रतिमा निर्माण के लिए आए और अधूरी प्रतीत होने वाली उन्हीं प्रतिमाओं की स्थापना की गई। आज भी भगवान जगन्नाथ की विशिष्ट काष्ठ प्रतिमाएं उसी परंपरा का प्रतीक हैं।

भारत की सांस्कृतिक एकात्मता का प्रतीकः जगन्नाथ परंपरा भारत की सांस्कृतिक अखंडता का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करती है। भगवान श्रीकृष्ण का जन्म मथुरा में, कर्मभूमि द्वारका में और जगन्नाथ रूप में उनका प्रतिष्ठान पुरी में है। मान्यता है कि प्रथम काष्ठ समुद्र के माध्यम से द्वारका से पुरी पहुँचा। दूसरी ओर, देवी सुभद्रा का संबंध हस्तिनापुर से माना जाता है, जबकि विभीषण की आराधना से जुड़ी परंपरा दक्षिण की सांस्कृतिक स्मृतियों को जोड़ती है। इस प्रकार पूर्व, पश्चिम, उत्तर और दक्षिण- संपूर्ण भारत की सांस्कृतिक चेतना इस एक मंदिर और रथयात्रा में समाहित दिखाई देती है। साथ ही भगवान अपने भाई और बहन के साथ विराजमान होकर भारतीय परिवार व्यवस्था और पारिवारिक समन्वय का भी संदेश देते हैं।

विध्वंस और पुनर्निर्माण का संघर्षपूर्ण इतिहासः जगन्नाथ मंदिर का इतिहास भक्ति के साथ ही संघर्ष और पुनर्जागरण का भी इतिहास है। 14वीं शताब्दी से लेकर मुगल काल तक मंदिर पर अनेक आक्रमण हुए। इलियास शाह, फिरोज शाह तुगलक, इस्माइल गाजी, अफगान आक्रमणकारी काला पहाड़ तथा बाद में कई मुगल सेनापतियों ने मंदिर को क्षति पहुँचाई। सबसे भीषण आक्रमण 1568 में काला पहाड़ और बाद में औरंगजेब के शासनकाल में हुआ। अनेक बार मंदिर को ध्वस्त किया गया, लूटपाट हुई और श्रद्धालुओं का नरसंहार भी हुआ। किंतु हर संकट के समय पुजारियों और भक्तों ने भगवान की प्रतिमाओं को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाकर परंपरा को जीवित रखा। यही कारण है कि मंदिर का इतिहास विध्वंस से अधिक पुनर्निर्माण और अटूट आस्था का इतिहास बन गया। मुगल सत्ता के पतन के बाद मराठा शासनकाल में मंदिर के पुनरुद्धार का कार्य गति पकड़ता है। आगे चलकर इंदौर की धर्मपरायण महारानी अहिल्याबाई होल्कर सहित अनेक शासकों और श्रद्धालुओं के प्रयासों से मंदिर को पुनः उसका गौरव प्राप्त हुआ। आज भी उतना ही प्रासंगिक है यह संदेशः आज जब समाज अनेक प्रकार की विभाजक प्रवृत्तियों का सामना कर रहा है, तब जगन्नाथ रथयात्रा हमें समरसता, सेवा, समानता और राष्ट्रीय एकात्मता का संदेश देती है। लाखों लोग बिना किसी भेदभाव के एक ही रस्सी को पकड़कर भगवान के रथ को आगे बढ़ाते हैं। यही दृश्य भारतीय संस्कृति के उस आदर्श को साकार करता है, जिसमें समूचा समाज एक परिवार माना गया है, इसीलिए जगन्नाथ रथयात्रा केवल ओडिशा का पर्व नहीं, बल्कि भारत की सनातन सांस्कृतिक चेतना, राष्ट्रीय एकता और अजेय आस्था का महापर्व है। सदियों तक आक्रमण, विध्वंस और विपरीत परिस्थितियों का सामना करने के बाद भी यह परंपरा आज उसी श्रद्धा, वैभव और उत्साह के साथ जीवित है। यही इसकी सबसे बड़ी ऐतिहासिक उपलब्धि और भारत की सांस्कृतिक शक्ति का सबसे सशक्त प्रमाण है।

(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं।)

इस विशाल पथ पर श्रीमती द्रौपदी मुर्मु

बचपन से मुझे श्रीजगन्नाथ जी की अनेक प्रार्थनाएँ और भजन याद हैं। स्कूल और कॉलेज में पढ़ते समय मैं गीत गाया करती थी। जगन्नाथ जी का भजन गाकर मैं खुश होती थी। महाप्रभु को अपने निकट पाती थी। अब गीत नहीं गाती। किंतु साँझ-सबेरे महाप्रभु का स्मरण करके उनके भजन गुनगुना लेती हूँ। मुझे लगता है कि महाप्रभु हर वक़्त मेरे आस-पास ही रहते हैं। विपदा-आपदा में मेरी मदद करते हैं। भक्तकवि मधुसूदन राव का गीत आज भी मैं मन ही मन गाती हूँ: मेरे पास दिन-रात रहते हैं महाप्रभु परमेश्वर, यह बात याद कर हृदय में पूजूँगा उन्हें निरंतर। मैं कुछ समझने-बूझने की उम्र में पहुंचने तक जगन्नाथ जी को जानने लगी थी। हमारे घर में अक्सर जगन्नाथ जी की चर्चा होती थी। गाँव के हर टोले में उनकी महिमा का बखान होता था। जब मैं गाँव के स्कूल मंर पढ़ती थी, भक्त सालबेग की आहे नीड़ो शोइड़ो प्रार्थना गाई जाती थी। स्कूल के शिक्षक जगन्नाथ जी के बारे में तरह-तरह की बातें कहा करते थे। पुरी में बड़ा मंदिर है, इतना बड़ा मंदिर और कहीं नहीं है! मंदिर में श्रीजगन्नाथ जी अपनी बहन सुभद्रा और बड़े भाई बलभद्र के साथ पूजे जाते हैं। जगन्नाथ जी का रंग काला है, उनकी आँखें गोल-गोल हैं। सुभद्रा जी का रंग पीला है, बलभद्र है चाँदनी फूल की तरह सफेद। वह छवि एक बार देख लेने के बाद फिर भुलाए नहीं भूलती। सर यह भी कहते थे, जगन्नाथ हैं 'महाप्रभुÓ, उनका प्रसाद महाप्रसाद है, उनका मंदिर बड़ा मंदिर है, उनका पथ विशाल पथ (बोड़ो दांडो) है, और उनका समुद्र महोदधि है। मयूरभंज के उपरबेड़ा गाँव से पुरुषोत्तम क्षेत्र पुरी की दूरी बहुत थी! भला देखने का अवसर मुझे कहाँ मिलता। किंतु मैं भुवनेश्वर गई और मैंने यूनिट-2 के गर्ल्स हाईस्कूल में नाम लिखवाया। हॉस्टल में रहने लगी। उसके बाद मैंने पुरी, भुवनेश्वर और कोणार्क देखा। पहली बार जगन्नाथ दर्शन की स्मृति मेरे मन से मिटी नहीं है। बहुत बड़ा मंदिर, बड़े-बड़े देवता! भला ये सब भुलाए जा सकते हैं? क्या भुलाई जा सकती है उनकी रथयात्रा? बारह महीने में तेरह पर्व-त्योहार मनाए जाते हैं श्रीक्षेत्र में। लेकिन रथयात्रा की छटा तो निराली होती है। पूरे वर्ष भक्तगण यहाँ आकर महाप्रभु का दर्शन करते हैं मंदिर के अंदर जाकर। किंतु वर्ष में एक बार महाप्रभु अपने भव्य मंदिर से बाहर विशाल पथ (बोड़ो दांडो) पर आते हैं। भक्तों को दर्शन देते हैं। तीन रथ पर तीन ठाकुर बैठकर चक्रराज सुदर्शन के साथ गुंडिचा मंदिर की ओर यात्रा करते हैं। वहाँ सात दिनों तक रहकर वापस लौट आते हैं। महाप्रभु का यह महापर्व अतुलनीय है। बचपन से मैं जगन्नाथ जी की भक्त हूँ। वे सर्वदा मेरे परम आराध्य हैं। मेरे जीवन के उत्थान और पतन के वे नियंता हैं। मेरे दुख-सुख के कर्ता-धर्ता हैं। जीवन में मैंने बहुत कष्ट भी सहे हैं। उन सब दारुण दुखों से उबारा है मुझे महाबाहु ने। मैं उनकी बेटी जो हूँ! राष्ट्रपति पद के लिए मुझे उम्मीदवार बनाने की घोषणा होते ही मैंने महाप्रभु का स्मरण किया। इतनी ऊँचाई पर मुझे ले जा रहे हो प्रभु, पग-पग पर मुझे सहारा देना, सदा मेरे पास रहना - यह मेरी प्रार्थना थी। उन्होंने मेरी प्रार्थना सुनी, सुन भी रहे हैं। राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार के रूप में दिल्ली में रहने के दौरान रथयात्रा का महापर्व आया। परंतु पुरी जाना संभव नहीं था। रथयात्रा के दिन बड़े भोर में दिल्ली के हौजखास में बने जगन्नाथ मंदिर जाकर मैंने महाप्रभु के दर्शन किए। आनंद से भर गया मन। उनका आशीष मुझ पर बरस गया। बड़े आत्मविश्वास से मैंने अपना नामांकन-पत्र दाखिल किया। अत्यंत उत्साह से चुनाव कैंपेन में भाग लिया। 25 जुलाई, 2022 को पार्लियामेंट के सेंट्रल हॉल में शपथ लेने जाते समय मैं जगन्नाथ जी से प्रार्थना करते-करते जा रही थी। उनके आशीर्वाद से मेरा शपथ-पाठ खूब अच्छी तरह संपन्न हुआ। राष्ट्रपति के रूप में मेरे प्रथम भाषण के समय मानो वे मेरे साथ ही थे। पुरी जाकर महाप्रभु के दर्शन के लिए मेरा मन व्याकुल हो उठा। दिन बीतते चले गए, लेकिन मैं पुरी नहीं जा सकी। मुझे लगा कि बिना उनके बुलावे के कोई कैसे उनके पास जा सकता है! मैंने मन ही मन उनसे कहा, मेरा कोई दोष हो तो क्षमा करो प्रभु, मुझे पुरी बुलाओ, दर्शन दो। वे भाव के ठाकुर हैं। मेरा भाव कैसे नहीं समझते? कुछ ही दिनों में पुरी जाने का कार्यक्रम तय हो गया। उस दिन 10 नवंबर, 2022 था। पुरी में अवतरण करने के बाद कार-केड चल पड़ा श्रीमंदिर की ओर। कार-केड पुरी के प्रशस्त पावन-पथ पर पहुँचते ही मेरे अंदर एक अपूर्व भावना का संचार हुआ। यह विशाल-पथ महाप्रभु जगन्नाथ का ही है। यहाँ क्या आवश्यकता है प्रोटोकॉल की? पुरी तो क्षेत्रराज के रूप में प्रसिद्ध है। महाप्रभु देवाधिदेव हैं। और अधिक कुछ सोचने से पहले मैंने गाड़ी रुकवाई। मेरी गाड़ी रुकने पर पीछे आ रही सारी गाड़ियाँ रुक गईं। किसी के कुछ समझने से पहले मैंने पावन-पथ पर नंगे पैर चलना शुरू कर दिया। श्रीमंदिर लगभग दो किलोमीटर दूर था। मंदिर के नीलचक्र और पतित पावन-ध्वज को देखते हुए मैं आगे बढ़ती चली गई।

पथ के दोनों किनारों पर खड़े बच्चों, महिलाओं, युवा-छात्रों और बुजुर्गों को नमस्कार भी करती जा रही थी। मेरा ध्यान था जगन्नाथ जी के पास। श्रीमंदिर के सिंहद्वार के पास पहुंचते ही मैं स्थिर नहीं रह पाई। तब तक मैं खुद को भूल चुकी थी। पावन-पथ की धूल में साष्टांग लेटकर मैंने महाप्रभु को प्रणाम किया। उसके बाद मंदिर में प्रवेश। गर्भगृह में पहुंचकर चतुर्धा मूर्तियों का दर्शन करते ही मैं आनंद से अभिभूत हो गई। महाप्रभु जगत के नाथ हैं, अनाथों के नाथ हैं। जगत के लोगों का दुःख दूर करने के लिए वे सदा तत्पर रहते हैं। इसलिए उनकी गोल-गोल आँखों की पलकें कभी नहीं झपकतीं। उनके लिए छोटा-बड़ा कोई नहीं है। वे सबको सामान दृष्टि से देखते हैं, समता के मंत्र से सबको अभिमंत्रित करते हैं। उनकी करुणा पाकर ही मैंने समाज के हर वर्ग की सेवा में स्वयं को समर्पित किया है। गोल-गोल आँखों वाले की ओर देखते हुए करबद्ध होकर बोली, आपके आशीर्वाद से मेरा यह समर्पण भाव हमेशा बना रहे, हे महाबाहु। देश-दुनिया पर अपनी छत्र-छाया बनाये रखें, हे कृपानिधि! यह कहते हुए मैं भक्तिभाव से विह्वल हो उठी।

लेखिक भारत की राष्ट्रपति हैं।

नंदकिशोर गोयनकाः सेवा, संस्कार, समर्पण और राष्ट्रभाव के युगपुरुष

विनोद बंसल

"कुछ व्यक्तित्व समय की सीमा में बंधे नहीं होते। उनका जीवन एक विचार बन जाता है, उनका आचरण एक आदर्श और उनका समर्पण आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत। स्वर्गीय श्री नन्दकिशोर गोयनका जी ऐसे ही विरल व्यक्तित्व थे।" श्री गोयनका जी का पार्थिव शरीर तो पंचतत्व में विलीन हो गया, किंतु उनका जीवन-दर्शन, उनकी कर्मनिष्ठा, उनका सेवा-भाव और उनके द्वारा स्थापित आदर्श सदैव समाज का पथ आलोकित करते रहेंगे। वे उन लोगों में थे जिन्होंने कभी स्वयं को केंद्र में नहीं रखा, बल्कि समाज, राष्ट्र और संस्कृति को अपने जीवन का केंद्र बनाया। उनका व्यक्तित्व जितना विशाल था, उतना ही विनम्र भी। जितना प्रभावशाली था, उतना ही आत्मसंयमी। वे वास्तव में कर्मयोगी थे। 28 सितम्बर 1930 को हरियाणा के हिसार की पावन भूमि पर जन्मे श्री नन्दकिशोर जी ने अपने जीवन का निर्माण भारतीय संस्कारों, कठोर परिश्रम और नैतिक मूल्यों के आधार पर किया। जीवन के प्रारंभिक संघर्षों ने उन्हें आत्मनिर्भर बनाया और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्कारों ने उन्हें राष्ट्रजीवन का सजग साधक बना दिया। उन्होंने कभी प्रसिद्धि की आकांक्षा नहीं की, बल्कि अपने प्रत्येक कार्य को ईश्वरार्पण और राष्ट्रसेवा का माध्यम माना। सामान्य रूप से देश उन्हें प्रख्यात उद्योगपति, एस्सेल समूह के संस्थापक एवं मीडिया जगत के अग्रणी व्यक्तित्व डॉ. सुभाष चंद्रा के पूज्य पिता के रूप में जानता है, किंतु जिन्होंने उन्हें निकट से देखा, वे जानते हैं कि उनकी अपनी पहचान कहीं अधिक व्यापक थी। वे समाज के मार्गदर्शक, संगठन के विश्वसनीय कार्यकर्ता, गौसेवा के तपस्वी, अग्रवाल समाज के प्रेरक और राष्ट्रजीवन के सजग प्रहरी थे।

संघ संस्कारों से निर्मित जीवनः राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ उनके जीवन का केवल एक संगठन नहीं था, बल्कि जीवन-दृष्टि था। वे संघ के एक कर्मठ, अनुशासित और निष्ठावान स्वयंसेवक रहे। उन्होंने संघ के उस मूल मंत्र—"राष्ट्र प्रथम"—को अपने जीवन में पूरी निष्ठा से उतारा। उनके लिए राष्ट्रभक्ति भाषण का विषय नहीं, बल्कि जीवन की दिनचर्या थी। अनुशासन, समयपालन, विनम्रता, आत्मसंयम और संगठन-भाव उनके स्वभाव में स्वाभाविक रूप से समाहित थे।

विश्व हिंदू परिषद और धर्मरक्षा का संकल्प : विश्व हिंदू परिषद के हरियाणा प्रांत के उपाध्यक्ष के रूप में तथा गौरक्षा की केंद्रीय टोली के सदस्य के रूप में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। वे मानते थे कि हिंदू समाज का संगठन केवल किसी संस्था का कार्य नहीं, बल्कि प्रत्येक जागरूक नागरिक का दायित्व है। परिषद के सेवा, संस्कार, समरसता और धर्मजागरण के कार्यों में उन्होंने तन, मन और संसाधनों से सहयोग दिया। गौरक्षा उनके लिए केवल आंदोलन नहीं थी; वह भारतीय संस्कृति, कृषि, ग्राम्य जीवन और करुणा की रक्षा का अभियान था। वे गौमाता को भारतीय जीवन का आधार मानते थे। अनेक गौशालाओं और गौरक्षा अभियानों के साथ उनका सक्रिय जुड़ाव इसी जीवन-दृष्टि का प्रमाण था।

विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा— "श्री नन्दकिशोर गोयनका जी का पार्थिव शरीर तो आज पंचतत्व में विलीन हो गया, किंतु उनके गुण, कर्म, स्वभाव और महानता सदैव अमिट रहेंगे। संघ के एक कर्मठ स्वयंसेवक के रूप में उन्होंने आजीवन निस्वार्थ सेवा दी। महाराजा अग्रसेन के सच्चे वंशज के रूप में उन्होंने अग्रोहा धाम को वैश्य समाज के एक तीर्थ के रूप में विकसित किया। विश्व हिंदू परिषद के हरियाणा प्रांत उपाध्यक्ष एवं गौरक्षा की केंद्रीय टोली के सदस्य के रूप में उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। गौमाता के वे सच्चे सेवक थे और भारत माता के लिए उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया।" यह श्रद्धांजलि वस्तुतः उनके संपूर्ण जीवन का सार है।

अग्रोहा धाम : एक स्वप्न, एक साधनाः

महाभारत के युद्ध के साक्षी महाराजा अग्रसेन केवल एक ऐतिहासिक व्यक्तित्व नहीं, बल्कि 'एक ईंट व सवा रूपये' जैसे समता, सहयोग और लोककल्याण की भारतीय परंपरा के प्रतीक हैं। श्री नन्दकिशोर गोयंका जी ने इस विरासत को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प लिया। अग्रोहा धाम के विकास में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। उन्होंने इसे केवल मंदिर परिसर या स्मारक के रूप में नहीं, बल्कि वैश्य समाज की सांस्कृतिक चेतना, सामाजिक एकता और राष्ट्रीय पुनर्जागरण के तीर्थ केंद्र के रूप में विकसित करने का स्वप्न देखा। आज देशभर से आने वाले लाखों श्रद्धालुओं के लिए अग्रोहा धाम श्रद्धा, प्रेरणा और संगठन का केंद्र है। इस उपलब्धि में उनका योगदान सदैव सम्मानपूर्वक स्मरण किया जाएगा।

समाजसेवा : प्रचार नहीं, जीवन-पद्धतिः उनका विश्वास था कि सेवा का सबसे श्रेष्ठ रूप वही है जिसमें यश की अपेक्षा न हो। इसलिए उन्होंने कभी अपने कार्यों का प्रचार नहीं किया। शिक्षा, चिकित्सा, धार्मिक संस्थाओं, सामाजिक संगठनों तथा जरूरतमंद लोगों की सहायता में उनका सहयोग निरंतर बना रहा। वे मानते थे कि समाज केवल आर्थिक उन्नति से महान नहीं बनता; उसे संस्कार, शिक्षा और सेवा की भी आवश्यकता होती है। इसी कारण उन्होंने अनेक सामाजिक एवं शैक्षिक प्रयासों को प्रोत्साहन दिया और समाज को जोड़ने का कार्य किया। सादगी , उनके व्यक्तित्व की सबसे बड़ी पहचानः आज के युग में जब प्रतिष्ठा का मापदंड बाहरी वैभव बनता जा रहा है, तब श्री नन्दकिशोर गोयंका जी का जीवन सादगी का अनुपम उदाहरण था। अत्यंत प्रतिष्ठित परिवार से होने के बावजूद उनके जीवन में दिखावा नहीं था। वे सहज, सरल और आत्मीय थे। उनके द्वार पर आने वाला व्यक्ति कभी अपने को पराया अनुभव नहीं करता था। उनकी वाणी में मधुरता, व्यवहार में आत्मीयता और निर्णयों में स्पष्टता थी। वे सुनने की क्षमता रखते थे, इसलिए समाज उन्हें सम्मान देता था।

परिवार को दिए अमूल्य संस्कारः हर महान परिवार के पीछे एक महान संस्कारदाता होता है। गोयनका परिवार के लिए वह भूमिका नन्दकिशोर जी ने निभाई। उन्होंने अपने बच्चों को केवल सफलता का मार्ग नहीं दिखाया, बल्कि यह भी सिखाया कि सफलता का उद्देश्य समाज के प्रति उत्तरदायित्व निभाना है। डॉ. सुभाष चंद्रा जी, लक्ष्मी नारायण जी, जवाहर जी व अशोक गोयल जी के व्यक्तित्व में दिखाई देने वाली कर्मठता, साहस, नवाचार और भारतीयता के मूल में उनके पिता के संस्कार ही स्पष्ट दिखाई देते हैं।

अंतिम विदाई अमर प्रेरणाः 96 वर्ष की आयु में उनकी जीवनयात्रा पूर्ण हुई। हिसार की पावन भूमि पर जब उनका अंतिम संस्कार हुआ, तब केवल एक परिवार नहीं, बल्कि समाज का एक युग उन्हें विदा कर रहा था।

मेष राशिः मेष राशि वालों आज का दिन शानदार रहने वाला है। आज अधिकतम समय आप धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों में व्यस्त रहेंगे। उधार दिया हुआ पैसा वापस मिलने से राहत मिलेगी। आज आपके चारों ओर का वातावरण सुखमय व खुशनुमा बना रहेगा। अगर घर में सुधार संबंधी योजना बन रही है, तो वास्तु संबंधी नियमों का पालन करना आपके लिए लाभदायक रहेगा।

वृषभ राशिः वृष राशि वालों आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। आज आपकी हर परेशानी का हल चुटकियों में निकल जायेगा। आज सरकारी कार्यों में आपको बड़े लाभ की संभावना है। आज व्यक्तिगत मामलों को लेकर कुछ प्लानिंग होगी। साथ ही अनुभवी लोगों के सानिध्य में आपको सकारात्मक अनुभव मिलेंगे। घर में किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति के आने से किसी खास मुद्दे पर सकारात्मक विचार-विमर्श होगा।

मिथुन राशिः मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला रहेगा। ऑफिस में सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा। जूनियर आपसे काम सीखना चाहेंगे। आज सकारात्मक रहने से आप अपने कार्यों को बेहतरीन तरीके से अंजाम देंगे। आज किसी राजनीतिक अथवा प्रभावशाली व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है।

कर्क राशिः कर्क राशि वालों आज आपका दिन उत्तम रहने वाला है। नई योजनाएं और प्रोजेक्ट शुरू करने का अनुकूल समय है। आज आप किसी बात को लेकर उलझन में रहेंगे, जिसे आप अपने किसी खास मित्र से शेयर भी करेंगे। आपको राहत मिलेगी। आज दूसरों के मामलों में हस्तक्षेप करने की बजाय अपने कामों पर ही ध्यान देंगे। आज बाहरी गतिविधियों में ज्यादा आवाजाही से परहेज करेंगे तो आपका समय बचेगा।

सिंह राशिः सिंह राशि वालों आज का दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज ऑफिस में वर्कलोड बढ़ सकता है, जिसके लिये आपको ओवरटाइम करना पड़ेगा। आज व्यवस्थित दिनचर्या रखने से हर काम समय पर होगा। इससे आप अन्य गतिविधियों की तरफ भी ध्यान देने में सफल होंगे। साथ ही आप खुद को ऊर्जा से भरपूर महसूस करेंगे। आज घर की सुख-सुविधाओं संबंधी कामों में भी आपका महत्वपूर्ण योगदान रहेगा।

कन्या राशिः कन्या राशि वालों आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आपकी पहले से चली आ रही किसी समस्या का आज समाधान मिलेगा, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। आज सामाजिक गतिविधियों में आपका योगदान रहेगा, जिससे पहचान का दायरा बढ़ेगा। व्यवहारिक सोच रखने से अपनी कार्यकुशलता में निखार आयेगा।

तुला राशिः तुला राशि वालों आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। आज प्रॉपर्टी अथवा वाहन की खरीदारी से संबंधित कुछ योजनाएं बनाएंगे। आज बच्चों की पढ़ाई या करियर से जुड़ी समस्या का समाधान मिलने से सुकून मिलेगा। इस समय की गई यात्रा आज आपके लिए लाभदायक साबित हो सकती है। परिवार में सक्रियता और बातचीत का माहौल रहेगा। कुछ समय आध्यात्मिक कार्यों में बिताएंगे, इससे आत्मविश्वास बना रहेगा।

वृश्चिक राशिः वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन ताजगी से भरा रहेगा। दिन की शुरुआत अच्छे मूड से होगी। कुछ दिनों से चल रही समस्याएं आज माता-पिता की सलाह से खत्म होंगी। आज आप दूसरों के मामले में ज्यादा हस्तक्षेप करने से परहेज करें। दोस्तों के साथ मिलकर कहीं घूमने की प्लानिंग करेंगे। आज किसी से लिए गए उधार से छुटकारा मिलेगा।

धनु राशिःमकर राशि वालों आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। एकाग्र मन से किया गया काम आज लाभदायक साबित होगा। लवमेट के लिये आज का दिन बढ़िया है। इस राशि के विवाह योग्य जातकों के लिए आज शादी का प्रस्ताव आ सकता है। आज अधिक कार्यभार की वजह से पूरे दिन व्यस्त रहेंगे। आज बच्चों पर अधिक रोक-टोक न लगाएं।

मकर राशिःमकर राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। घर खरीदने का विचार कर रहे लोगों के लिए आज का दिन शुभ है। आज आपका मन घरेलू कामकाज में लगेगा। आज बिजनेस का फैसला जल्दबाजी में न लें। अपने काम करने के तरीकों में थोड़ा बदलाव लाने की भी जरूरत है। शेयर मार्केट में आपका अच्छा लाभ होगा।

कुंभ राशिः कुंभ राशि वालों आज आपका दिन खुशियों से भरा रहने वाला है। आपके दोस्त आपसे मदद की गुहार करेंगे, आप उन्हें निराश नहीं करेंगे। आज निवेश करते समय किसी अनुभवी की सलाह लेना आपको भविष्य में लाभ दे सकता है। सकारात्मक नजरिया रखने से विपरीत परिस्थितियां अपने आप ही सामान्य हो जाएंगी।

मीन राशिः मीन राशि वालों आज परिवार का पूरा साथ मिलेगा। जो लोग बैंक में कार्य करते हैं, वे आज अपना काम बहुत जल्द निपटा लेंगे। सोशल मीडिया और पब्लिक रिलेशन को बनाए रखें। इन संपर्कों से भविष्य में फायदा मिलेगा। लवमेट आज साथ में समय बिताएंगे। आज कार्यस्थल पर अपनी कार्य प्रणाली में परिवर्तन लाने से स्थिति में कुछ सुधार आएगा।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

पीवी सिंधु जापान ओपन के सेमीफाइनल में, अब चीन की चेन यूफेई से होगी टक्कर

एजेंसी, टोक्यो

भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पी. वी. सिंधु ने बीडब्ल्यूएफ जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। क्वार्टर फाइनल में उनकी प्रतिद्वंद्वी और मेजबान जापान की पूर्व विश्व चैंपियन नोजोमी ओकुहारा चोट के कारण मुकाबले से हट गईं, जिसके चलते सिंधु को वॉकओवर मिल गया। इस जीत के साथ सिंधु ने वर्ष 2023 के डेनमार्क ओपन के बाद पहली बार किसी सुपर 750 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई है। साथ ही यह वर्ष 2026 में उनका तीसरा सेमीफाइनल भी है, जो इस सीजन में उनकी शानदार वापसी को दर्शाता है। सत्र की शुरुआत विश्व रैंकिंग में 18वें स्थान से करने वाली सिंधु अब शीर्ष-10 में वापसी कर चुकी हैं और वर्तमान में विश्व नंबर-9 हैं। सेमीफाइनल में सिंधु का सामना चीन की पूर्व ओलंपिक चैंपियन और विश्व नंबर-4 चेन यूफेई से होगा। चेन ने क्वार्टर फाइनल में दक्षिण कोरिया की सिम यू जिन को 21-10, 21-12 से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया। सिंधु और चेन के बीच अब तक 14 मुकाबले खेले गए हैं, जिनमें चीनी खिलाड़ी 8-6 से आगे हैं। खास बात यह है कि सिंधु पिछले पांच मुकाबलों में लगातार चेन से हार चुकी हैं। ऐसे में सेमीफाइनल मुकाबला सिंधु के लिए बड़ी चुनौती होगा। यदि वह इस मुकाबले में जीत दर्ज करती हैं तो न केवल चेन के खिलाफ अपनी हार का सिलसिला समाप्त करेंगी, बल्कि लगभग तीन वर्षों बाद किसी सुपर 750 टूर्नामेंट के फाइनल में भी जगह बना लेंगी।

कोहली और गंभीर के बीच किसी 'ब्रिज' की जरूरत नहीं : सितांशु कोटक

एजेंसी, कार्डिफ (यूके)

भारत के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने मुख्य कोच गौतम गंभीर और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के बीच मतभेदों की अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि दोनों के बीच नियमित बातचीत होती है और उन्हें किसी मध्यस्थ की आवश्यकता नहीं है। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय मैच में भारत की चार विकेट से हार के बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कोटक ने स्पष्ट किया कि अभ्यास सत्र के दौरान विराट कोहली से उनकी बातचीत केवल बल्लेबाजी से जुड़े तकनीकी पहलुओं पर थी। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह गौतम गंभीर और विराट कोहली के बीच संवाद का माध्यम बने हुए हैं, तो कोटक ने कहा, "नहीं, विराट और गौतम आज ही शायद 10-12 बार बात कर चुके होंगे। मुझे नहीं लगता कि उन्हें किसी ब्रिज की जरूरत है।" कोटक ने बताया कि विराट ने खुद बल्लेबाजी से जुड़े कुछ पहलुओं पर उनसे चर्चा की थी। उन्होंने कहा कि इतने अनुभवी बल्लेबाज को बिना जरूरत तकनीकी सलाह देना उचित नहीं होता। उन्होंने कहा, "विराट बल्लेबाजी के लिए जाने से पहले कुछ चीजों पर बात करना चाहते थे। ईमानदारी से कहूं तो जब तक उन्हें खुद किसी बात की जरूरत महसूस न हो या कोई बड़ी तकनीकी बात नजर न आए, तब तक उनकी बल्लेबाजी में ज्यादा दखल नहीं देना चाहिए। उन्होंने फुटवर्क और कुछ अन्य पहलुओं को लेकर मुझसे चर्चा की थी और नेट्स के बाद भी इसी विषय पर बात हुई।" कोटक ने कोहली और गंभीर के रिश्तों को लेकर चल रही चर्चाओं को भी सिरे से खारिज किया। उन्होंने कहा, "इन अफवाहों की बात करें तो मुझे नहीं पता कि ये कहां से आती हैं, लेकिन आती जरूर हैं।" मैच की बात करें तो सोफिया गार्डन्स, कार्डिफ में खेले गए दूसरे वनडे में इंग्लैंड ने भारत को चार विकेट से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला 1-1 से बराबर कर दी। 234 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए जो रूट ने नाबाद 99 रन की शानदार पारी खेली। उन्होंने विल जैक्स (30) के साथ 72 रन की अहम साझेदारी की, जबकि गस एटकिंसन 23 रन बनाकर नाबाद लौटे। इंग्लैंड ने लक्ष्य लगभग छह ओवर शेष रहते हासिल कर लिया।

रोहित तीसरे एकदिवसीय के बाद टीम से बाहर होंगे : रिपोर्ट

एजेंसी, लंदन

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा का एकदिवसीय करियर समाप्त होना तय नजर आ रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले तीसरे एकदिवसीय के बाद उन्हें टीम में आगे जगह नहीं मिलेगी। ऐस में ये भी हो सकता है कि रोहित इस मैच के बाद संन्यास की घोषणा कर दें। इसी सीरीज में हुए दोनो मैचों में रोहित बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं। ऐसे में उन्हें 2027 एकदिवसीय विश्वकप के लिए टीम में शामिल किये जाने की कोई संभावना नहीं है। माना जा रहा है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की चयन समिति विश्वकप के लिए युवा प्रतिभाओं को ही अवसर देना चाहती है। ऐसे में 39 के रोहित को विश्वप के लिए अवसर मिलने की संभावना नहीं है। सूत्रों के अनुसार, चयनकर्ताओं ने तय कर लिया है कि वे अब रोहित को एकदिवसीय टीम में अधिक अवसर नहीं देंगे। उन्हें यह संदेश दिया जा सकता है कि यदि वे सम्मानजनक तरीके से संन्यास लेना चाहते हैं, तो यह उनका निजी निर्णय होगा, अन्यथा उन्हें टीम से हटा दिया जाएगा। चयनकर्ताओं का मानना है कि दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में होने वाले 2027 विश्व कप की तैयारी के लिए युवा सलामी यशस्वी जायसवाल को पर्याप्त अवसर मिलें। माना जा रहा है कि इस फैसले के पीछे रोहित की हालिया फॉर्म एक बड़ी वजह है।

फीफा विश्व कप: तीसरे स्थान के लिए फ्रांस और इंग्लैंड की प्रतिष्ठा की जंग, कांस्य पदक पर होगी नजर

एजेंसी, मियामी। फीफा विश्व कप 2026 में तीसरे स्थान के लिए होने वाला प्ले-ऑफ मुकाबला रविवार, 19 जुलाई को भारतीय समयानुसार तड़के 2:30 बजे खेला जाएगा। इस मुकाबले में दो यूरोपीय फुटबॉल महाशक्तियां फ्रांस और इंग्लैंड आमने-सामने होंगी। दोनों टीमें सेमीफाइनल में हार के बाद अब जीत के साथ अपने अभियान का समापन करने और कांस्य पदक हासिल करने के इरादे से मैदान में उतरेंगी। मुकाबला अमेरिका के मियामी स्थित मियामी स्टेडियम (हार्ड रॉक स्टेडियम) में खेला जाएगा। फ्रांस को सेमीफाइनल में स्पेन के हाथों 0-2 से हार का सामना करना पड़ा था। इसके साथ ही लगातार तीसरी बार विश्व कप फाइनल में पहुंचने का उसका सपना टूट गया। दूसरी ओर इंग्लैंड को गत चैंपियन अर्जेंटीना के खिलाफ 2-1 की रोमांचक हार झेलनी पड़ी, जिसमें अंतिम क्षणों में मैच का पासा पलट गया। अब दोनों टीमें तीसरे स्थान के मुकाबले में अपनी प्रतिष्ठा बचाने की कोशिश करेंगी। फ्रांस के पास किलियन एमबाप्पे, उस्मान डेम्बेले और माइकल ओलीसे जैसे स्टार खिलाड़ी हैं, जबकि इंग्लैंड की उम्मीदें हैरी केन, एंथनी गॉर्डन और जूड बेलिंगहैम जैसे खिलाड़ियों पर टिकी रहेंगी। दोनों टीमों के बीच मुकाबला तेज गति, आक्रामक फुटबॉल और रणनीतिक खेल के लिए जाना जाता है, इसलिए प्रशंसकों को एक रोमांचक मैच देखने की उम्मीद है।

फीफा विश्वकप 2026 फाइनल से पहले धोनी की एकदशक पुरानी पोस्ट छायी

एजेंसी, मुम्बई

अर्जेंटीना और स्पेन के बीच 19 जुलाई को होने वाले फीफा विश्वकप फुटबॉल के खिताबी मुकाबले से ठीक पहले भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की एक दशक पुरानी सोशल मीडिया पोस्ट अचानक ही वायरल होने लगी है। यह पोस्ट जून 2016 की है, जब धोनी जिम्बाब्वे दौरे पर थे। इसमें वे मनदीप सिंह, जयदेव उनादकट, अक्षर पटेल और करुण नायर के साथ नजर आ रहे थे। इस तस्वीर में साफ देखा जा सकता है कि धोनी अपने साथियों के साथ प्ले स्टेशन पर फीफा गेम खेल रहे हैं, और इस इसमें उन्होंने लिखा था स्पेन बनाम अर्जेंटीना। इसी वजह से धोनी की वह पोस्ट रातों-रात चर्चा का विषय बन गयी है। इसमें कहा जा रहा था कि धोनी को तभी ये अंदाजा हो गया था कि एक दिन इन दोनो टीमों के बीच खिताबी मुकाबला होगा। धोनी का यह वायरल पोस्ट जिस ऐतिहासिक मुकाबले की ओर इशारा कर रहा था, वह अब वास्तविकता बनने जा रहा है। फीफा विश्व कप 2026 में अर्जेंटीना डिफेंडिंग चैंपियन के तौर पर मैदान में उतरेगा और उसका लक्ष्य स्पेन को हराकर एक बार फिर खिताब जीतना रहेगा।

विश्व कप के इतिहास में ऐसा कारनामा अब तक केवल एक बार साल 1962 में ब्राजील ने किया था, जब वह लगातार दो बार विश्व चैंपियन बनी थी। अब कप्तान लियोनेल मेसी की टीम के पास खिताब जीतकर ब्राजील की बराबरी करने का अवसर है।

बिजनेस

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला कैलिबर माइनिंग का आईपीओ, 24 जुलाई को हो सकती है लिस्टिंग

एजेंसी, नई दिल्ली

कोल माइनिंग सेक्टर के लिए काम करने वाली कंपनी कैलिबर माइनिंग एंड लॉजिस्टिक्स का 450 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 21 जुलाई तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 22 जुलाई को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 23 जुलाई को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 24 जुलाई को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। पहले दिन दोपहर 11.30 बजे तक ये आईपीओ 46 प्रतिशत सब्सक्राइब हुआ है। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 402 रुपये से लेकर 424 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 35 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम 1 लॉट यानी 35 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,840 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर 1,92,920 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लॉट में 455 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 1,06,13,207 करोड़ शेयर बेचे जा रहे हैं। इनमें लगभग 400 करोड़ रुपये के 94,33,962 नए शेयर जारी किए जा रहे हैं, जबकि लगभग 50 करोड़ रुपये के 11,79,245 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं। इस आईपीओ में एंकर इनवेस्टर्स को किए गए 31,83,960 शेयरों के अलॉटमेंट के बाद बचे शेयरों में से क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 28.57 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 50 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 21.43 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है।

इस इश्यू के लिए डैम कैपिलटल एडवाइजर्स लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। कैलिबर माइनिंग एंड लॉजिस्टिक्स की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 95.90 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 131.55 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछल वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का शुद्ध लाभ उछल कर 157.90 करोड़ रुपये हो गया। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 957.92 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 1,435.57 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 1,684.66 करोड़ रुपये की राजस्व प्राप्ति हुई। इस अवधि में कंपनी के कर्ज के बोझ में उतार-चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 717.88 करोड़ रुपये का कर्ज था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में घट कर 649.27 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके अगले वित्त वर्ष यानी 2025-26 के अंत में कंपनी पर लदे कर्ज के बोझ उछल कर 1,057.61 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

ईपीएफओ ने विवादों के सौहार्दपूर्ण निपटारे के लिए 'विश्वास-2026' पहल शुरू की

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने 'विश्वास-2026' नामक एकमुश्त विवाद समाधान पहल की शुरुआत की है, जिसका उद्देश्य विवादों का सौहार्दपूर्ण निपटारा करना है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) की यह योजना 29 जून को अधिसूचित की गई है, जो 29 जून से प्रभावी हो गई है। यह अधिसूचना की तिथि से छह महीने की अवधि तक परिचालन में रहेगी। श्रम मंत्रालय के मुताबिक विश्वास-2026 योजना के तहत 14 जून, 2024 से पहले की अवधि से संबंधित चूकों के लिए क्षतिपूर्ति/जुर्माने की गणना काफी कम दरों पर की जाएगी। इसमें दो महीने तक की चूकों के लिए 0.25 फीसदी प्रति माह, दो से चार महीने से कम की चूकों के लिए 0.50 फीसदी प्रति माह और 4 महीने से अधिक की चूकों के लिए 1.00 फीसदी प्रति माह रखा गया है। इन रियायती दरों का उद्देश्य नियोक्ताओं को लंबित विवादों को शीघ्रता से हल करने के लिए प्रोत्साहित करना है। इस योजना का लाभ उठाने के लिए, नियोक्ताओं को यह सुनिश्चित करना होगा कि ईपीएफ एवं एमपी अधिनियम, 1952 की धारा 7क्यू या सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 की धारा 127 के तहत देय संपूर्ण ब्याज का भुगतान आवेदन जमा करने से पहले ही कर दिया गया हो।

दमन के नमो एयरपोर्ट से दिल्ली के लिए सीधी हवाई सेवा की कमर्शियल उड़ानें शुरू

एजेंसी, नई दिल्ली

दमन के नमो एयरपोर्ट से दिल्ली के लिए सीधी हवाई सेवा के साथ कमर्शियल उड़ानें हुईं शुरू हो गई है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू किंजरापु और दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव के प्रशासक प्रफुल पटेल ने एलायंस एयर की पहली सर्विस को हरी झंडी दिखाई। यह केंद्र शासित प्रदेश से राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के लिए पहली सीधी उड़ान सेवा है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के मुताबिक सरकारी स्वामित्व वाले क्षेत्रीय वाहक एलायंस एयर की इस उड़ान के शुभारंभ के साथ दमन का पहला सीधा हवाई संपर्क बन गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस नागरिक टर्मिनल की आधारशिला 25 अप्रैल, 2023 को रखी थी और हवाई अड्डे का उद्घाटन प्रधानमंत्री ने 5 जून को किया था। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने कहा कि केन्द्र शासित प्रदेश प्रशासन ने 25 एकड़ की भूमि पर 124 करोड़ रुपये की लागत से इसका निर्माण किया है, जिसमें नागर विमानन मंत्रालय ने इस परियोजना के लिए 88 करोड़ रुपये प्रदान किए हैं। यह टर्मिनल 3,700 वर्ग मीटर में फैला है और अभी यह हर दिन एटीआर 14 उड़ानों को संचालित करने में सक्षम है, जिसकी वार्षिक क्षमता 3 लाख 67 हजार यात्रियों की है। राम मोहन नायडू ने अपने संबोधन में कहा कि इस ऐतिहासिक अवसर पर दमन के लोगों को दिल से बधाई। अपनी पहली उड़ान के साथ ही दमन सीधे देश की राजधानी से जुड़ रहा है। उन्होंने कहा कि अब सूरत या मुंबई से होकर 8 से 10 घंटे बिताने के बजाय, दिल्ली दमन से सिर्फ 2.5 घंटे दूर होगी। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की बदलाव लाने वाली उड़ान योजना से ही संभव हुआ है। केंद्रीय मंत्री ने कहा क्षेत्र में पर्यटन की संभावनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि हर वर्ष करीब 20 लाख पर्यटक दमन आते हैं। उन्होंने कहा कि पर्यटकों की संख्या तेजी से बढ़ेगी, हमारी योजना रनवे को बढ़ाते हुए मुंबई, सूरत, अहमदाबाद और पटना जैसे शहरों से संपर्क स्थापित करना है और दमन में एयरबस ए320 जैसे विमान सहित बड़े विमानों को उतारना है।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोने की कीमत में गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। वहीं चांदी के भाव में आज लगातार पांचवे दिन शुरुआती दौर में कोई बदलाव नहीं हुआ है। चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना आज 270 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 300 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। वहीं चेन्नई में आज सोने के भाव में 320 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 350 रुपये प्रति 10 ग्राम की कमजोरी दर्ज की गई है। भाव में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,43,280 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,43,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,31,340 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,31,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 2,34,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,43,430 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,31,490 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,43,280 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,43,330 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,31,390 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,43,450 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,31,490 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में भी बिकवाली का दबाव

एजेंसी, नई दिल्ली । ग्लोबल मार्केट से आज कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी आज कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एशियाई बाजार में भी दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी स्टॉक मार्केट में पिछले सत्र के दौरान सेमीकंडक्टर स्टॉक्स में हुई जोरदार बिकवाली के कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 105.32 अंक यानी 0.20 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 52,553.32 अंक के स्तर पर आ गया। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.51 प्रतिशत टूट कर 7,533.77 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 387.28 अंक यानी 1.47 प्रतिशत लुढ़क कर 25,881.95 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 334.39 अंक यानी 0.64 प्रतिशत की गिरावट के साथ 52,218.58 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.53 प्रतिशत की मजबूती के साथ 10,572.24 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके विपरीत सीएसी इंडेक्स ने 0.05 प्रतिशत की गिरावट के साथ 8,377.86 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया।

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार में तेजी, सेंसेक्स और निफ्टी ने पकड़ी रफ्तार

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान तेजी का रुख नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ हुई थी। हालांकि बाजार खुलते ही बिकवाली का झटका भी लगा, लेकिन थोड़ी देर में ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने रफ्तार पकड़ ली। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.76 प्रतिशत और निफ्टी 0.62 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। प्रातः 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट की दिग्गज कंपनियों में से जियो फाइनेंशियल, टेक महिंद्रा, इंफोसिस, एचसीएल टेक्नोलॉजी और टीसीएस के शेयर 3.73 प्रतिशत से लेकर 1.62 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, विप्रो, सिप्ला, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, डॉ रेड्डीज लेबोरेट्रीज और सन फार्मास्यूटिकल्स के शेयर 1.59 प्रतिशत से लेकर 0.33 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,685 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 917 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,768 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 19 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 11 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 33 शेयर हरे निशान में और 17 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 183.90 अंक यानी 0.24 प्रतिशत की मजबूती के साथ 77,370.77 अंक के स्तर पर खुला।

बॉक्स ऑफिस पर धमाल 4 का तूफान, धुंआधार हो रही कमाई, लाखों में पहुंची 'अल्फा और 'वेलकम टू द जंगल की कमाई

अजय देवगन स्टारर और इंद्र कुमार के निर्देशन में बनी एडवेंचर-कॉमेडी फिल्म धमाल 4 बॉक्स ऑफिस पर लगातार शानदार प्रदर्शन कर रही है. रिलीज के बाद फिल्म को क्रिटिक्स और दर्शकों से मिले-जुले रिव्यू जरूर मिले, लेकिन इसका असर इसकी कमाई पर बिल्कुल भी दिखाई नहीं दे रहा है. वीकेंड में शानदार कमाई करने के बाद फिल्म ने सोमवार की परीक्षा भी बेहतरीन तरीके से पास की और अब मंगलवार को भी इसकी रफ्तार बरकरार रही है. सबसे खास बात ये रही कि आमतौर पर मंगलवार को कई फिल्में दर्शकों को आकर्षित करने के लिए टिकटों पर डिस्काउंट देती हैं, लेकिन धमाल 4 के मेकर्स ने ऐसा कोई ऑफर नहीं रखा. इसके बावजूद बड़ी संख्या में दर्शक सिनेमाघरों का रुख करते रहे. यही वजह है कि फिल्म ने पांचवें दिन भी मजबूत कमाई दर्ज की और साबित कर दिया कि दर्शकों के बीच इसकी पकड़ लगातार बनी हुई है.

धमाल फ्रेंचाइजी हमेशा से अपनी हल्की-फुल्की कॉमेडी, मजेदार किरदारों और फैमिली एंटरटेनमेंट के लिए जानी जाती रही है. चौथे पार्ट में भी मेकर्स ने इसी फॉर्मूले को अपनाया है, जिसका फायदा बॉक्स ऑफिस पर साफ देखने को मिल रहा है. फिल्म ने पहले दिन 14 करोड़ रुपये के साथ शानदार ओपनिंग की थी. इसके बाद दूसरे दिन इसकी कमाई में जबरदस्त उछाल आया और फिल्म ने 22.50 करोड़ रुपये का कारोबार किया. रविवार को छुट्टी का फायदा मिला और तीसरे दिन फिल्म ने 28.50 करोड़ रुपये अपने नाम किए. सोमवार को सामान्य गिरावट के बावजूद फिल्म ने 8.75 करोड़ रुपये की कमाई की, जो काफी मजबूत मानी जा रही है.

वहीं अब सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म ने रिलीज के पांचवें दिन यानी मंगलवार को 9.50 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया है. खास बात ये है कि मंगलवार को फिल्म की कमाई सोमवार से भी बेहतर रही, जो ये दिखाता है कि फिल्म को वर्ड ऑफ माउथ का लगातार फायदा मिल रहा है. आपको बता दें कि अजय देवगन स्टारर इस फिल्म ने पहले दिन (शुक्रवार) - 14.00 करोड़ रुपये, दूसरा दिन (शनिवार) - 22.50 करोड़ रुपये, तीसरा दिन (रविवार) - 28.50 करोड़ रुपये, चौथा दिन (सोमवार) - 8.75 करोड़ रुपये और पांचवां दिन (मंगलवार) - 9.50 करोड़ रुपये (अर्ली ट्रेंड) की कमाई कर डाली है. यानी कुल 5 दिनों का नेट कलेक्शन- 83.25 करोड़ रुपये हो गया है. विश्व स्तर पर फिल्म ने 115.44 करोड़ रुपये का ग्रॉस कारोबार कर लिया है। धमाल 4 ने सिर्फ कमाई ही नहीं की, बल्कि रिलीज के पांचवें दिन एक बड़ी उपलब्धि भी अपने नाम कर ली. फिल्म ने भारत में ओ रोमियो के लगभग 83 करोड़ रुपये के लाइफटाइम कलेक्शन को पीछे छोड़ते हुए साल की छठी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म का स्थान हासिल कर लिया है. अब फिल्म की नजर अगली बड़ी उपलब्धि पर है. इसके सामने अगला टारगेट कॉकटेल 2 का लगभग 104.15 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन है. अगर फिल्म इसी रफ्तार से आगे बढ़ती रही तो आने वाले कुछ दिनों में ये आंकड़ा भी पार कर सकती है. बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की मजबूत पकड़ का असर इसके बजट रिकवरी पर भी साफ दिखाई दे रहा है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, धमाल 4 का निर्माण लगभग 200 करोड़ रुपये के बजट में किया गया है. ऐसे में फिल्म ने सिर्फ पांच दिनों में ही अपने बजट का करीब 40 प्रतिशत हिस्सा रिकवर कर लिया है। किसी भी बड़ी बजट की फिल्म के लिए यह एक सकारात्मक हिंट माना जाता है. अगर आने वाले दिनों में फिल्म इसी तरह कमाई करती रही तो जल्द ही ये अपनी कॉस्ट निकालने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ेगी. आलिया भट्ट की अल्फा 12वें दिन यानी दूसरे मंगलवार को लाखों में सिमट गई. सैकनिल्क की रिपोर्ट मुताबिक वाईआरएफ के स्पाई यूनिवर्स की इस सातवीं फिल्म ने 2 हजार 344 शो में दूसरे मंगलवार को 0.85 करोड़ रुपये कमाए. इसी के साथ इस फिल्म का भारत में 12 दिनों का नेट कलेक्शन 55.20 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है. वहीं विदेशों में, फ़िल्म ने 12वें दिन 0.50 करोड़ रुपये कमाए, जिससे इसका इंटरनेशनल ग्रॉस कलेक्शन 26.70 करोड़ रुपये हो गया। इसका वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन अब 92.47 करोड़ रुपये तक पहुँच गया है।

अक्षय कुमार की वेलकम टू द जंगल भी तीसरे हफ्ते में धीमी पड़ गई है और इसकी कमाई भी लाखों में सिमट गई है. हालांकि 19वें दिन यानी तीसरे मंगलवार को इसने मामूली तेजी दिखाई. फिल्म के कलेक्शन की बात करें तो सैकनिल्क के मुताबिक फिल्म ने तीसरे मंगलवार यानी 19वें दिन 1 हजार 951 शो में 0.75 करोड़ रुपये कमाए. इसी के साथ इस फिल्म का भारत में 19 दिनों का नेट कलेक्शन 130.85 करोड़ रुपये हो गया है. इसने 19वें दिन विदेशों में 0.25 करोड़ रुपये कमाए, जिससे इसकी विदेशी कमाई 33.10 करोड़ रुपये और दुनिया भर में इसकी कमाई 188.58 करोड़ रुपये हो गई है.

जब 100 रुपए भी नहीं होते थे खाने के लिए, स्कूल की फीस भरने मम्मी ने जेवर बेचे

फैशन क्वीन उर्फी जावेद की छोटी बहन और कंटेंट क्रिएटर डॉली जावेद ओटीटी शो अलायंस से बाहर हो गई हैं। शो में डॉली का बेबाक अंदाज लोगों को पसंद आया लेकिन कुशाल टंडन की स्ट्रैटिजी की वजह से वह बाहर हो गईं। अलायंस से बाहर निकलने के बाद एक इंटरव्यू में डॉली ने अपने बचपन के मुश्किल दिनों को याद किया। डॉली ने बताया कि उनके पिता ने उनकी मां को छोड़ दिया था, जिसके बाद उनके परिवार ने आर्थिक तंगी का सामना किया। उनके पास न खाने को पैसे होते थे और न घर में गैस चूल्हा था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डॉली ने बताया कि फाइनेंशियल क्राइसिस को याद करने पर बचपन की कई यादें ताजा हो जाती हैं कि जिंदगी में कितना कुछ फेस किया है। मेरी मम्मी रोती थीं ये सोचकर कि उनके पास 100 रुपए भी नहीं हैं, तो कल का खाना कहां से आएगा। सुबह की चाय बनाने के लिए दूध कैसे आएगा। हमारे पास कुछ नहीं था। घर में खाना बनाने को गैस नहीं थी, क्योंकि उसके लिए पैसे नहीं थे। स्कूल के दिनों में बहुत चीजों का सामना किया है। एक समय पर स्कूल जाना बंद कर दिया था, क्योंकि स्कूल की फीस भी नहीं भर पा रहे थे। मम्मी को अपनी गोल्ड की जूलरी बेचनी पड़ी थी, जितनी भी थी, क्योंकि स्कूल की फीस भरी नहीं थी। बिजली काटने लोग आ गए, क्योंकि बिल नहीं भरा था। हम फिर घर के बेड्स बेचने लगे पैसों के लिए घर की अलमारियां बेचीं, क्योंकि और कुछ था ही नहीं। जब उर्फी और उरुसा कमाने लगीं तब पैसे आने लगे। दोनों बहनों उर्फी और उरुसा की कमाई से फिर घर चलता था। डॉली ने कहा कि उर्फी ने कभी उन्हें किसी बात का ताना नहीं दिया। उर्फी की वजह से ही उनकी जिंदगी बदली है।

मैं वहीं हूं, जहां मुझे होना चाहिए अंजना सुखानी ने बॉलीवुड के सफर का बताया अनुभव

बॉलीवुड अभिनेत्री अंजना सुखानी ने करियर में कई अलग-अलग तरह के किरदार निभाए हैं। उन्होंने अमिताभ बच्चन, सलमान खान, जॉन अब्राहम और अजय देवगन जैसे बड़े कलाकारों के साथ स्क्रीन शेयर किया है। अब वह अपनी नई फिल्म मैं वापस आऊंगा को लेकर चर्चा में हैं। अंजना सुखानी ने कहा, मेरे लिए मैं वापस आऊंगा बेहद खास फिल्म है, क्योंकि इस फिल्म से इम्तियाज अली का नाम जुड़ा हुआ है। उनके साथ काम करना अपने आप में एक बड़ी बात है। दुनियाभर के कलाकार उनके साथ काम करने का सपना देखते हैं और मैं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं कि मुझे यह मौका मिला। फिल्म की पूरी टीम के साथ काम करने का अनुभव बहुत अच्छा रहा, खासकर नसीरुद्दीन शाह और दिलजीत दोसांझ के साथ। नसीर साहब के साथ काम करना किसी लाइव मास्टरक्लास जैसा अनुभव है। उन्हें देखकर ही अभिनय की बहुत सारी चीजें सीखी जा सकती हैं। फिल्म में वेदांग रैना और शरवरी के साथ काम करने के अनुभव पर अंजना ने कहा, मेरी कहानी फिल्म में अलग समय से जुड़ी हुई है, इसलिए उनके साथ ज्यादा सीन नहीं थे। हालांकि, ट्रेलर लॉन्च और शूटिंग के दौरान कुछ मुलाकातें जरूर हुईं। वेदांग और शरवरी दोनों ही बहुत प्रतिभाशाली कलाकार हैं। जब मैंने दोनों का पहला सीन देखा तो मैं काफी प्रभावित हुई। वे फिल्म में नई ऊर्जा लेकर आए हैं। आज के समय में मॉडल, अभिनेता और सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स के बीच की दूरी कम हो रही है। इस बदलाव पर अंजना ने कहा कि अब चीजें काफी बदल गई हैं। पहले भी मॉडल फिल्मों में आते थे और अभिनेता मॉडलिंग करते थे, लेकिन अब सोशल मीडिया से जुड़े लोग भी अभिनय की दुनिया में आ रहे हैं। किसी व्यक्ति में टैलेंट है और वह सच में अभिनेता बनना चाहता है तो उसे मौका मिलना चाहिए। आखिर में सबसे जरूरी चीज यह है कि कलाकार अपने अभिनय से दर्शकों को प्रभावित कर पाता है या नहीं। मल्टीस्टारर फिल्मों के बढ़ते चलन पर अंजना ने कहा, सबसे जरूरी बात फिल्म की सफलता है। फिल्म छोटी हो या बड़ी और उसमें कितने कलाकार हों, इससे ज्यादा मायने रखता है कि दर्शक उसे पसंद करते हैं या नहीं। जब कोई फिल्म सफल होती है तो इसका फायदा सिर्फ कलाकारों को नहीं बल्कि पूरी टीम को मिलता है। टेक्नीशियन, लाइटिंग टीम, स्पॉट बॉय और प्रोडक्शन से जुड़े सभी लोगों को काम मिलता है। मेरी दर्शकों से अपील है कि वे फिल्मों को थिएटर में जाकर जरूर देखें। अमिताभ बच्चन के साथ स्क्रीन शेयर करने के अनुभव को याद करते हुए अंजना ने कहा, यह मेरे लिए किसी सपने से कम नहीं था। करियर शुरू होने के कुछ सालों बाद मुझे अमिताभ बच्चन के साथ विज्ञापन करने का मौका मिला और बाद में राम गोपाल वर्मा की फिल्म डिपार्टमेंट में भी उनके साथ काम किया। अमिताभ बच्चन और इम्तियाज अली जैसे दिग्गजों के साथ काम करना बड़ी उपलब्धियों में शामिल है। हिंदी और साउथ सिनेमा के अंतर पर अंजना ने कहा कि दोनों जगहों की कहानी कहने का तरीका अलग है। हिंदी फिल्में अक्सर पूरे देश के दर्शकों को ध्यान में रखकर बनाई जाती हैं, जबकि क्षेत्रीय सिनेमा अपनी भाषा और संस्कृति से ज्यादा जुड़ा होता है। भारत की यही विविधता उसकी सबसे बड़ी खूबसूरती है और कलाकारों को अलग-अलग भाषाओं में काम करने का मौका मिलना एक अच्छी बात है।

विक्रांत मैसी की सादगी पर फिदा हुईं महिमा मकवाना, बोलीं-आज भी हैं उतने ही दयालु

अभिनेता विक्रांत मैसी और अभिनेत्री महिमा मकवाना जल्द ही आगामी फिल्म मुसाफिर कैफे में नजर आएंगे। हाल ही में फिल्म के ट्रेलर लॉन्च के दौरान महिमा मकवाना ने अपने को-स्टार की तारीफ करते हुए बताया कि करियर में बड़ी सफलता हासिल करने के बावजूद विक्रांत वही इंसान हैं जिन्हें वह सालों पहले जानती थीं। अभिनेत्री ने बताया कि विक्रांत के साथ उनकी पहली मुलाकात टीवी सीरियल बालिका वधू के सेट पर हुई थी, जब वह महज 10 साल की थीं। अभिनेत्री महिमा मकवाना ने कहा, इतने वर्षों के बाद भी विक्रांत में कोई बदलाव नहीं आया। वे सबसे दयालु, मेहनती और सच्चे इंसान है। ये खूबियां उनके काम में दिखती हैं। अभिनेत्री महिमा मकवाना ने यह भी कहा कि मुसाफिर कैफे में विक्रांत मैसी के साथ दोबारा काम करना एक शानदार अनुभव रहा है। वहीं, विक्रांत ने भी महिमा मकवाना के साथ काम करने को शानदार अनुभव बताया। महिमा मकवाना ने टेलीविजन शो बालिका वधू में युवा गौरी सिंह का रोल किया था। उनके कैरेक्टर को एक छोटे से कैमियो के जरिए इंट्रोड्यूस किया गया था, जिसमें एक युवा लड़की थी जो जग्गा (अविनाश मुखर्जी) से शादी करने वाली थी, उस समय जब आनंदी मेंटल हेल्थ की दिक्कतों से जूझ रही थी। दूसरी तरफ, विक्रांत मैसी ने पॉपुलर हिंदी टेलीविजन सीरीज बालिका वधू में श्याम मदन सिंह का किरदार निभाया था। वह 2009 से 2010 तक इस शो से जुड़े रहे, जो टेलीविजन पर उनके शुरुआती शो में से एक था। मुसाफिर कैफे रुचिर अरुण द्वारा निर्देशित रोमांटिक ड्रामा है, जो प्यार और रिश्तों के उलझाव पर आधारित है। इसमें एक सफर के दौरान होने वाले प्यार और यादों की कहानी दिखाई गई है। यह फिल्म हिंदी साहित्यकार दिव्या प्रकाश दुबे द्वारा लिखा गया एक बेहद लोकप्रिय और भावनात्मक उपन्यास है। विक्रांत मैसी, वेदिका पिंटो और महिमा मकवाना अभिनीत फिल्म मुसाफिर कैफे 24 जुलाई से ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने जा रही है।

आयुष्मान खुराना होंगे यशराज फिल्म्स के अगले हीरो, नई फिल्म मुपापा का हुआ ऐलान

आयुष्मान खुराना के हाथ यशराज फिल्म्स की नई फिल्म लगी है और इसका आधिकारिक ऐलान हो गया है। फिल्म का शीर्षक मुपापा रखा गया है, जिसका निर्माण वाईआरएफ और पोशम पा पिक्चर्स मिलकर कर रहे हैं। आयुष्मान इसमें मुख्य किरदार निभाते दिखेंगे। यह परियोजना वाईआरएफ के सीईओ अक्षय विधानी द्वारा निर्मित होगी, जो पहले सैयारा(2025) के निर्माता रहे चुके हैं। वहीं निर्देशन की कमान समीर सक्सेना ने संभाली है। निर्माताओं ने मुपापा की रिलीज तारीख भी बता दी है। बताया जा रहा है कि मुपापा एक अलग तरह की थिएट्रिकल फिल्म होगी, जो दर्शकों को एक अविश्वसनीय रूप से नया दृश्य अनुभव प्रदान करेगी और उन्हें शुरुआत से आखिर तक सीट से बांधे रखेगी। हालांकि फिल्म की कहानी या अन्य कास्ट से जुड़ी कोई भी जानकारी अब तक सामने नहीं आई है। फिल्मों में अपनी विशिष्ट पहचान के लिए पहचाने जाने वाले आयुष्मान इस बार पर्दे पर कुछ अलग करते दिखेंगे। निर्माताओं ने आधिकारिक पोस्ट में मुपापा की रिलीज तारीख का ऐलान भी कर दिया है। यह 19 फरवरी, 2027 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए उतरेगी। इस ऐलान से फैंस भी फिल्म को लेकर बेहद उत्साहित हो गए हैं और आयुष्मान को अपना प्यार भेज रहे हैं। फिलहाल, अभिनेता इन दिनों सूरज बड़जात्या की फिल्म ये प्रेम मोह लिया में व्यस्त हैं। इसके अलावा, सारा अली खान के साथ उनकी फिल्म उड़ता तीर चर्चा में है।

वजन घटाने के लिए कोशिशें की, फिर भी नहीं हुआ कुछ? हो सकती हैं ये गलतियां

वजन घटाने के लिए लोग कई तरीके अपनाते हैं, लेकिन हर बार सफल नहीं हो पाते। अगर बार-बार खानपान में बदलाव और व्यायाम करने के बाद भी वजन कम नहीं हो रहा है तो इसके पीछे कुछ गलतियां हो सकती हैं। अक्सर लोग बिना सोचे-समझे वजन घटाने के लिए कई चीजें आजमा लेते हैं, लेकिन गलत तरीके से अपनाए गए ये तरीके और गलतियां वजन घटाने की प्रक्रिया को धीमा कर सकते हैं। आइए इन गलतियों के बारे में जानें। वजन घटाने के लिए खानपान में बदलाव के साथ-साथ पानी का भरपूर सेवन करना भी जरूरी है। पानी पाचन को ठीक रखने के साथ-साथ वजन घटाने में भी मदद कर सकता है। इसके अलावा पानी शरीर से हानिकारक तत्वों को बाहर निकालकर भी वजन घटाने में मदद कर सकता है। लाभ के लिए दिनभर में 8-10 गिलास पानी का सेवन जरूर करें। इसके साथ ही नारियल पानी, नींबू पानी और फलों का रस भी पिएं। अगर आप वजन घटाने के लिए

काफी मेहनत करने के बावजूद वजन नहीं घटा पा रहे हैं तो इसका कारण पर्याप्त नींद न लेना हो सकता है। दरअसल, अगर आप रोजाना 7 से 8 घंटे की नींद नहीं लेते हैं तो इससे आपका वजन बढ़ सकता है। इसके अलावा नींद की कमी से तनाव और थकान जैसी कई परेशानियों का सामना भी करना पड़ सकता है। इसलिए वजन घटाने के लिए पूरी नींद लेना जरूरी है। सुबह का नाश्ता छोड़ना अगर आप वजन घटाने के चक्कर में सुबह का नाश्ता छोड़ देते हैं तो यह आपकी सबसे बड़ी गलती हो सकती है। सुबह का नाश्ता न छोड़ें क्योंकि यह दिन का सबसे अहम और पहला भोजन होता है। सुबह का नाश्ता न करने से शरीर की ऊर्जा कम हो जाती है और इससे वजन घटाने की प्रक्रिया धीमी हो जाती है। अगर आप सुबह का नाश्ता नहीं करते हैं तो इससे शरीर की ऊर्जा भी कम हो जाती है। अगर आप वजन घटाने के लिए खानपान में बदलाव के साथ-साथ व्यायाम को भी शामिल नहीं कर रहे हैं तो आपका वजन नहीं घट सकता। अगर आप वजन घटाने के लिए खानपान में बदलाव के साथ-साथ व्यायाम को शामिल नहीं करते हैं तो आपको मनचाहा परिणाम नहीं मिल सकता। रोजाना कम से कम आधा घंटा किसी भी तरह की शारीरिक गतिविधि करना जरूरी है। इसके अलावा आप चाहें तो योग और टहलने को भी दिनचर्या में शामिल कर सकते हैं। तनाव लेने से न केवल वजन बढ़ता है, बल्कि इससे कई तरह की बीमारियां भी हो सकती हैं। ऐसे में वजन घटाने के लिए तनाव से दूर रहना जरूरी है। तनाव से दूर रहने के लिए आप ध्यान और गहरी सांस लेने की प्रक्रिया को अपना सकते हैं।

सूर्य के दक्षिणायन होने का धार्मिक और वैज्ञानिक महत्व

सूर्य का दक्षिणायन होना एक ऐसी खगोलीय घटना है जिसमें विज्ञान और धर्म का अद्भुत तालमेल देखने को मिलता है। जब सूर्य उत्तरी गोलार्ध से दक्षिणी गोलार्ध की ओर गति करता हुआ प्रतीत होता है, तो इस काल को दक्षिणायन कहा जाता है। यह चक्र हर साल जुलाई के मध्य (कर्क संक्रांति) से शुरू होकर जनवरी के मध्य (मकर संक्रांति) तक चलता है।

दक्षिणायन का वैज्ञानिक महत्व

वैज्ञानिक दृष्टिकोण से सूर्य कहीं आता-जाता नहीं है, बल्कि पृथ्वी की गतियों के कारण हमें ऐसा प्रतीत होता है:

पृथ्वी का अक्षीय झुकाव : पृथ्वी अपनी धुरी पर 23.5ए झुकी हुई है और सूर्य के चक्कर लगाती है। जून के अंत यानी के बाद पृथ्वी की स्थिति सूर्य के सामने इस तरह बदलने लगती है कि सूर्य की सीधी किरणें भूमध्य रेखा से धीरे-धीरे दक्षिण की ओर खिसकने लगती हैं।

दिन और रात की अवधि में बदलाव: दक्षिणायन के दौरान उत्तरी गोलार्ध, जिसमें भारत आता है, में धीरे-धीरे दिन छोटे होने लगते हैं और रातें लंबी होने लगती हैं।

ऋतु परिवर्तन: इसी काल में भारत में वर्षा ऋतु, शरद ऋतु और हेमंत ऋतु/ हल्की ठंड का आगमन होता है।

दक्षिणायन का धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व

सनातन धर्म में सूर्य के दक्षिणायन काल को आंतरिक साधना, संयम और तपस्या का समय माना गया है:

देवताओं की रात्रि: हिंदू काल गणना के अनुसार, देवताओं का एक दिन मनुष्यों के एक वर्ष के बराबर होता है। उत्तरायण को देवताओं का दिन और दक्षिणायन को देवताओं की रात्रि माना जाता है। चूंकि रात विश्राम और साधना के लिए होती है, इसलिए इस काल में शुभ और मांगलिक कार्य- जैसे विवाह, मुंडन आदि कुछ समय के लिए वर्जित या सीमित हो जाते हैं।

चातुर्मास साधना और व्रत का समय: दक्षिणायन के शुरुआती चार महीने 'चातुर्मास' कहलाते हैं। इस समय नकारात्मक शक्तियों का प्रभाव न बढ़े, इसलिए व्रत, उपवास और मानसिक शुद्धि यानी ध्यान पर विशेष बल दिया जाता है।

नकारात्मकता पर विजय के त्योहार: भले ही इस काल में मांगलिक कार्य बंद होते हैं, लेकिन देवी-देवताओं की विशेष कृपा पाने के सबसे बड़े त्योहार इसी दौरान आते हैं। शारदीय नवरात्रि, दशहरा, धनतेरस, दीपावली और छठ पूजा जैसे पर्व दक्षिणायन में ही मनाए जाते हैं, जो अंधकार पर प्रकाश की विजय को दर्शाते हैं।

पितरों की प्रसन्नता: दक्षिणायन की शुरुआत से ही हमारे पितरों या पूर्वजों के दिन की शुरुआत होती है। इसलिए पितृ पक्ष, श्राद्ध तर्पण और अमावस्या के उपाय इसी काल में किए जाते हैं ताकि पूर्वजों की आत्मा को शांति मिल सके।

भड़ली नवमी क्यों मनाई जाती है

धार्मिक महत्व, मान्यताएं और खास बातें

भड़ली नवमी (जिसे भड़ल्या नवमी या भड़ला नवमी भी कहा जाता है) हिंदू पंचांग के अनुसार आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को मनाई जाती है। इसे मुख्य रूप से दो बड़े कारणों से मनाया जाता है।

अबूझ मुहूर्त

भड़ली नवमी को सनातन धर्म में एक बेहद पवित्र और 'अबूझ मुहूर्त' माना गया है।

बिना पंडित से पूछे शुभ काय: इस दिन कोई भी शुभ कार्य (जैसे विवाह, मुंडन, गृह प्रवेश, या नया व्यापार शुरू करना) करने के लिए किसी पंडित या ज्योतिषी से मुहूर्त निकलवाने की आवश्यकता नहीं होती। पूरा दिन अपने आप में अत्यंत शुभ होता है।

शादियों का आखिरी मौका : भड़ली नवमी के ठीक दो दिन बाद 'देवशयनी एकादशी' आती है, जिससे भगवान विष्णु चार महीने के लिए योग निद्रा (चातुर्मास) में चले जाते हैं। इसके बाद अगले चार महीनों तक सभी मांगलिक कार्य और शादियाँ पूरी तरह बंद हो जाती हैं। इसलिए, जिन लोगों की शादियों के मुहूर्त सामान्य दिनों में नहीं निकल पाते, वे इस दिन बिना किसी संकोच के विवाह बंधन में बंध जाते हैं।

गुप्त नवरात्रि की पूर्णाहुति

आषाढ़ मास में 'गुप्त नवरात्रि' आती है। भड़ली नवमी इस गुप्त नवरात्रि का अंतिम दिन (नौवां दिन) होती है। इस दिन मां दुर्गा के नौवें स्वरूप की पूजा की जाती है और हवन-पूजन के साथ गुप्त नवरात्रि का समापन (पूर्णाहुति) होता है। तंत्र-मंत्र की साधना करने वाले साधकों और देवी भक्तों के लिए यह दिन आध्यात्मिक सिद्धि प्राप्त करने के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। भड़ली नवमी उपासना करने से भक्त को देवी पार्वती की विशेष कृपा प्राप्त होती है। देवी माँ का यह रूप सभी दुर्लभ गुणों से युक्त एवं मंगलमयी है। उनकी आराधना से धन-धान्य एवं सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। वैष्णव अथवा भगवान विष्णु के भक्त इस दिन अपने आराध्य के निमित्त पूजन, हवन तथा व्रत आदि कर्म करते हैं।

इस दिन क्या करना शुभ माना जाता है?

दान-पुण्य: इस दिन गुप्त नवरात्रि का अंतिम दिन होने के कारण कन्या पूजन करना और गरीबों को दान देना अत्यंत फलदायी माना जाता है।

विवाह और सगाई: यदि किसी के विवाह में रुकावटें आ रही हों, तो भड़ली नवमी के अबूझ मुहूर्त का लाभ उठाकर विवाह संपन्न कराया जाता है।

नया काम शुरू करना: नया वाहन खरीदना, सोने-चांदी की खरीदारी करना या नए घर में प्रवेश करने के लिए भी लोग इस दिन को चुनते हैं।

गुरु मंत्र को क्यों रखा जाता है अत्यंत गोपनीय

गुरु पूर्णिमा का अतिपावन पर्व आने वाला है, जिस पर आपकी पूर्ण निष्ठा हो, उन्हें अपना गुरु बनाना चाहिए। एक बार गुरु बनाने पर अथवा गुरु मंत्र प्राप्त करने पर गुरु की आज्ञा का उल्लंघन नहीं करना चाहिए। गुरु मंत्र को अत्यन्त गोपनीय रखा जाता है। नीति एवं नियमों का पालन करते हुए जो शिष्य गुरु के आदेश के अनुसार सुख-दु:ख को एक समान मानकर अपना जीवन-यापन करता है, वही जीवन में पूर्ण रूप से सफल होता है।

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार बिना पूर्ण निष्ठा के अगर व्यक्ति सभी देवी-देवताओं की पूजा करता है, तो उसे पूर्ण लाभ प्राप्त नहीं होता, परन्तु निष्ठा के साथ केवल एक ही देवी अथवा देवता की पूजा करने से व्यक्ति के सारे कार्य बन जाते हैं। इसी प्रकार निष्ठा पूर्ण एक गुरु से गुरु मंत्र प्राप्त कर उसी का निरन्तर जाप करने से कल्याण सम्भव है। धर्मशास्त्र में स्वयं के कल्याण हेतु कुछ बातों को गोपनीय रखने को कहा गया है, जिसमें गुरु से प्राप्त गुरु मंत्र दीक्षा परम गोपनीय है। इसलिए शिष्य को चेतावनी दी जाती है

कि, वह ध्यान रखे कि गुरु मंत्र कभी भी किसी को भी नहीं बताना चाहिए।

प्रकृति का नियम है कि जो शक्ति भीतर संचित रहती है, वही समय आने पर सबसे अधिक प्रभावशाली रूप में प्रकट होती है। बीज मिट्टी के भीतर छिपा रहता है, तभी वृक्ष बनता है, गर्भ में पलने वाला जीवन भी पूर्ण विकसित होने तक गोपनीय रहता है। इसी प्रकार गुरु मंत्र भी साधक के अंत:करण में मौन रूप से विकसित होने वाली आध्यात्मिक शक्ति है। यदि साधक बार-बार अपने मंत्र की चर्चा करता है, तो उसका मन बाहर की प्रतिक्रियाओं, प्रशंसा, शंका या तुलना में उलझ सकता है। इससे साधना का प्रवाह भीतर से हटकर बाहर की ओर हो जाता है। इसलिए गुरु मंत्र को गोपनीय रखने की परंपरा बनाई गई, ताकि उसकी ऊर्जा निरंतर साधक के भीतर ही परिपक्व होती रहे। गुरु कृपा से प्राप्त दीक्षा रूपी मंत्र को सार्वजनिक स्थान, परिवार या मित्र समुदाय में भी प्रकट नहीं करना चाहिए। अगर पति ने गुरु मंत्र प्राप्त किया है, तो वह अपनी पत्नी को भी गुरु मंत्र न बताए, इस प्रकार केवल पत्नी ने गुरु मंत्र प्राप्त किया है, तो वह भी पति को न बताए, इसलिए प्राय: पति-पत्नी संग-संग मंत्र दीक्षा प्राप्त करते हैं। गुरु द्वारा गोपनीय निर्देशित मंत्र जाप की विधि, जो गुरु ने शिष्य को दीक्षित कर प्रदान की है, उसे कहीं किसी के सामने किसी भी परिस्थिति में उजागर नहीं करनी चाहिए।

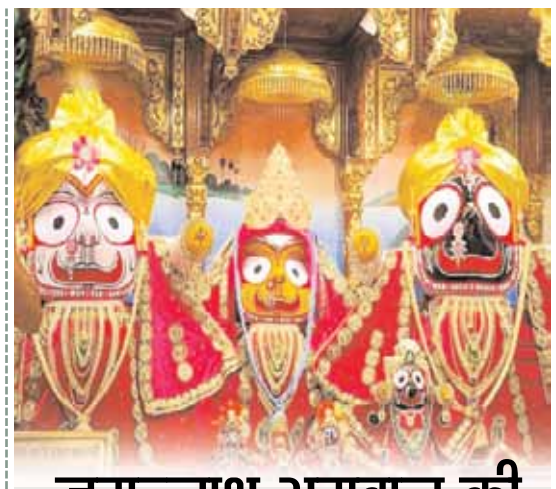

जगन्नाथ भगवान की पूजा घर पर कैसे करें

आषाढ़ मास की शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि से भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा का आरंभ हो जाता है। ऐसी मान्यता है कि जो लोग भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा में शामिल होते हैं और रथ को खिंचते हैं तो उन्हें 100 यज्ञ के बराबर पुण्य प्राप्त होता है। अगर आप रथ यात्रा में शामिल नहीं हो पा रहे हैं तो आप घर पर ही भगवान जगन्नाथ के मंत्रों का जप कर सकते हैं।

- सबसे पहले पूजा स्थल को अच्छे से साफ करें और गंगाजल से उसे शुद्ध कर दें। इसके बाद भगवान जगन्नाथ की प्रतिमा स्थापित करें।
- इसके बाद घी का दीपक जलाएं और धूर प्रजव्वलित करें।
- अब भगवान को चंदन रोली, अक्षत, पुष्प और तुलसी दल अर्पित करें।
- इसके बाद भगवान जगन्नाथ के मंत्र और स्तोत्र का जप करें।
- इसके बाद भगवान को मालपुआ, फल और बिना प्याज लहसून से बने चीजों का भोग लगाएं।
- अंत में भगवान जगन्नाथ की आरती करें।

जगन्नाथ गायत्री मंत्र

ओम जगन्नाथाय विद्महे। महाबलाय धीमहि।
तन्नो विष्णु: प्रचोदयात॥

भगवान जगन्नाथ का मूल मंत्र

ओम श्री जगन्नाथाय नम:॥

श्री जगन्नाथ अष्टकम

कदाचित् कालिन्दी तट विपिन सङ्गीत तरलो
मुदाभीरी नारी वदन कमला स्वाद मधुप:
रमा शम्भु ब्रह्मामरपति गणेशार्चित पदो
जगन्नाथ: स्वामी नयन पथ गामी भवतु मे ॥1॥
भुजे सव्ये वेणुं शिरसि शिखिपिच्छं कटितटे
दुकूलं नेत्रान्ते सहचर-कटाक्षं विदधते ।
सदा श्रीमद्-वृन्दावन-वसति-लीला-परिचयो
जगन्नाथ: स्वामी नयन-पथ-गामी भवतु मे ॥2॥
महाम्भोधेस्तीरे कनक रुचिरे नील शिखरे
वसन् प्रासादान्त: सहज बलभद्रेण बलिना ।
सुभद्रा मध्यस्थ: सकलसुर सेवावसरदो
जगन्नाथ: स्वामी नयन-पथ-गामी भवतु मे ॥3॥
कृपा पारावार: सजल जलद श्रेणिरुचिरो
रमा वाणी राम: स्फुरद् अमल पङ्केरुहमुख: ।
सुरेन्द्रै आराध्य: श्रुतिगण शिखा गीत चरितो
जगन्नाथ: स्वामी नयन पथ गामी भवतु मे ॥4॥
रथारूढो गच्छन् पथि मिलित भूदेव पटलै:
स्तुति प्रादुर्भावम् प्रतिपदमुपाकर्ण्य सदय: ।
दया सिन्धुर्बन्धु: सकल जगतां सिन्धु सुतया
जगन्नाथ: स्वामी नयन पथ गामी भवतु मे ॥5॥
परंब्रह्मापीड़: कुवलय-दलोत्फुल्ल-नयनो
निवासी नीलाद्रौ निहित-चरणोऽनन्त-शिरसि ।
रसानन्दी राधा-सरस-वपुरालिङ्गन-सुखो
जगन्नाथ: स्वामी नयन-पथगामी भवतु मे ॥6॥
न वै याचे राज्यं न च कनक माणिक्य विभवं
न याचेऽहं रम्यां सकल जन काम्यां वरवधूम् ।
सदा काले काले प्रमथ पतिना गीतचरितो
जगन्नाथ: स्वामी नयन पथ गामी भवतु मे ॥
हर त्वं संसारं द्रुततरम् असारं सुरपते
हर त्वं पापानां विततिम् अपरां यादवपते ।
अहो दीनेऽनाथे निहित चरणो निश्चितमिदं
जगन्नाथ: स्वामी नयन पथ गामी भवतु मे ॥
जगन्नाथाष्टकं पुन्यं य: पठेत् प्रयत: शुचि: ।
सर्वपाप विशुद्धात्मा विष्णुलोकं स गच्छति ॥

जगन्नाथ मंदिर महाप्रसाद के रहस्य

प्रसाद के लिए भक्तों की लगती है लंबी कतार

जगन्नाथ रथ यात्रा का शुभारंभ हो गया है। इस दौरान जगन्नाथजी अपने भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ तीन रथों पर बैठकर गुंडिचा मंदिर जाते हैं। यह यात्रा 24 जुलाई तक चलेगी, जिस दौरान प्रसाद का भी बहुत खास महत्व बताया गया है। उड़ीसा के पुरी में एक ऐसा रसोईघर है जहां जगन्नाथजी का प्रसाद तैयार किया जाता है। रथ यात्रा में बनने वाले इस प्रसाद को महाप्रसाद कहा जाता है, जिसके पीछे बहुत ही खास वजह छिपी है। यहां का प्रसाद प्राप्त करने के लिए श्रद्धालु बड़ी संख्या में पहुंचते हैं और कतारों में लगे रहते हैं।

मिट्टी के बर्तन में बनता है महाप्रसाद

जगन्नाथ रथ यात्रा में प्रसाद का भी बहुत खास महत्व बताया गया है। इस रथ यात्रा के दौरान मिलने वाले प्रसाद को महाप्रसाद कहा जाता है। उड़ीसा के पुरी में स्थित एक रसोई घर में पूरी साफ-सफाई का ध्यान रखते हुए इस प्रसाद को तैयार किया जाता है। कहा जाता है कि यह प्रसाद 56 भोग का होता है। भगवान जगन्नाथजी के प्रसाद को मिट्टी के बर्तन में भी बनाया जाता है क्योंकि, हिंदू धर्म में मिट्टी को पवित्र माना गया है। यही कारण है महाप्रसाद को कभी भी धातु के बर्तन में नहीं बनाया जाता है। वहीं, का प्रसाद बनाने का तरीका भी बहुत खास और हटकर है। जिसे रहस्यमयी भी माना जाता है।

अनोखे तरीके से पकता है प्रसाद

महाप्रसाद बनाने के लिए रसोई घर में सात बड़े मिट्टी के बर्तनों का प्रयोग किया जाता है। इन्हें आम तरीके से अलग-अलग चूल्हे पर रखकर नहीं बनाया जाता इसकी बजाए एक के ऊपर एक बर्तन रखकर प्रसाद को तैयार किया जाता है, जिसे लोग मिलकर लकड़ी पर पकाते हैं। यहां हैरानी की बात यह है कि सबसे पहले नीचे वाले बर्तन का प्रसाद नहीं पकता, बल्कि सातवें यानी सबसे ऊपर रखे बर्तन का प्रसाद तैयार हो जाता है। इसके बाद, इसी क्रम में छठे, पांचवें, चौथे, तीसरे, दूसरे और पहले बर्तन का प्रसाद पककर तैयार होता है।

प्रसाद ग्रहण कर भक्त कहते हैं ये बात

भात का प्रसाद भगवान जगन्नाथ का मुख्य प्रसाद है। पुरी में भगवान को चावल की खिचड़ी का भोग लगाया जाता है और फिर, इसे भक्तों में वितरित किया जाता है। इस प्रसाद का श्रद्धालुओं के लिए बहुत खास महत्व है जिसके लिए लंबी कतारे भी लगती हैं। महाप्रसाद को ग्रहण कर सभी भक्त 'जगन्नाथ के भात को जगत पसारे हाथ' कहते हैं। मान्यताओं के अनुसार इस महाप्रसाद का सेवन करने से पापों का नाश होता है और मोक्ष के द्वार खुलते हैं।

प्रसाद पकाते समय नहीं आती सुगंध

भगवान जगन्नाथ के प्रसाद को पकाते समय इसमें से किसी भी प्रकार की सुगंध नहीं आती है। लेकिन जैसे मंदिर से बाहर आता है इसमें से सुगंध आनी शुरू हो जाती है। कहा जाता है की तैयार किए गए महाप्रसाद का भोग पहले बिमला देवी को लगाया जाता है। इसके बाद, जगन्नाथजी, उनके भाई बलराम और सुभद्रा को प्रसाद चढ़ाया जाता है। भोग लगाने के बाद सभी श्रद्धालुओं में इस महाप्रसाद को बांट दिया जाता है।

प्रसाद बनाने से पहले देवी लक्ष्मी की लेते हैं अनुमति

जगन्नाथ मंदिर के प्रसाद को महाप्रसाद कहने के पीछे भी एक वजह छिपी है। मान्यता है कि इस प्रसाद को देवी लक्ष्मी की अनुमति के बाद ही तैयार किया जाता है। माता किसी न किसी संकेत के रूप में मंदिर के पुजारियों को अनुमति देती हैं और फिर जाकर प्रसाद तैयार किया जाता है। यही कारण है कि इसे प्रसाद नहीं, महाप्रसाद किया जाता है जो भक्तों के लिए बहुत ही खास महत्व रखता है। कहा जाता है कि इस प्रसाद को ग्रहण करने से नकारात्मक भाव दूर होते हैं।